दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -146 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शनिवार, 16 मई, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

'धार का भोजशाला मंदिर है...'

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, हिंदू पक्ष की मांग मंजूर

धार भोजशाला को लेकर इंदौर हाई कोर्ट ने कहा कि यह परमार वंश के राजा भोज के समय संस्कृत शिक्षा का केंद्र था. यह देवी सरस्वती का मंदिर था.

• इंदौर संवाददाता

इंदौर | धार भोजशाला को लेकर इंदौर हाई कोर्ट ने शुक्रवार (15 मई) को बड़ा फैसला सुनाया. कोर्ट ने विवादित स्थल को मंदिर माना है और कहा कि हिंदुओं को पूजा का अधिकार है. 12 मई को हाई कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. अब अदालत के फैसले पर शहर काजी वकार सादिक ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा है कि हम कोर्ट के फैसले को पढ़ेंगे और समझेंगे. उन्होंने ये भी कहा कि मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा.

हम सभी वकीलों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं- जज

धार भोजशाला पर फैसले के लिए शुक्रवारको हाई कोर्ट की बेंच बैठी. जज ने कहा कि हम सभी वकीलों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने कोर्ट की सहायता की. कोर्ट ने कहा, ''हमने तथ्यों को देखा, ASI एक्ट को देखा. आर्कियोलॉजी एक विज्ञान है. उसके आधार पर मिले निष्कर्षों पर भरोसा किया जा सकता है. साथ ही संविधान के तहत मिले मौलिक अधिकारों को भी देखा जाना है. यह परमार वंश के राजा भोज के समय संस्कृत शिक्षा का केंद्र था. देवी सरस्वती का मंदिर था.''

धार भोजशाला पर हाई कोर्ट का आदेश

- भोजशाला परिसर संरक्षित स्मारक है
- यह मंदिर है
- हिंदुओं को पूजा का अधिकार है
- सरकार ASI वहां संस्कृत शिक्षा की व्यवस्था बनाने पर भी विचार करे

जहां तक वाग्देवी की प्रतिमा को भारत वापस लाने और मंदिर में स्थापित करने का सवाल है, केंद्र सरकार उस पर विचार करे

- मुस्लिम पक्ष सरकार को मस्ज़िद के लिए जगह देने के लिए आवेदन दे सकता है
- मस्जिद ऐसी जगह पर हो, जिससे दोनों पक्षों में विवाद न हो

हाई कोर्ट ने ये भी कहा कि 2003 के ASI के उस आदेश को निरस्त किया जाता है जिसमें मुस्लिमों को वहां नमाज़ की अनुमति दी गई थी. ASI उस परिसर का संरक्षण जारी रखे.

न्यूज ब्रीफ

रणबीर कपूर ने अयोध्या में खरीदी 2.42 करोड़ रुपये की जमीन, दशरथ पथ पर स्थित है भूमि

अयोध्या, एजेंसी | यूपी के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद प्रसिद्ध हस्तियों का निवेश लगातार बढ़ रहा है। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के बाद अब बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने भी यहां जमीन खरीदी है। उन्होंने इस भूखंड के लिए दो करोड़ 42 लाख 15 हजार 786 रुपये का भुगतान किया है।

रणबीर कपूर ने तिहुरा माझा क्षेत्र में द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा समूह की परियोजना में 198.26 वर्ग मीटर जमीन खरीदी है। इस भूखंड के लिए उन्होंने दो करोड़ 42 लाख 15 हजार 786 रुपये का भुगतान किया है। फिलहाल इस जमीन का समझौता किया गया है, जिसका बैनामा आगे चलकर कराया जाएगा।

यह भूखंड राम मंदिर से करीब सात किलोमीटर दूर दशरथ पथ पर स्थित है। उपायुक्त स्टाम्प योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में प्रसिद्ध व्यक्तियों और बड़े निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी है। उन्होंने पुष्टि की कि अमिताभ बच्चन के बाद अब रणबीर कपूर ने भी यहां निवेश किया है।

राम मंदिर के निर्माण के बाद से अयोध्या में रियल एस्टेट बाजार में उछाल देखा जा रहा है। कई बड़े निवेशक और प्रसिद्ध व्यक्ति यहां संपत्ति खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। यह शहर अब एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। इस कारण यहां भूमि की कीमतें भी बढ़ रही हैं।

हैदराबाद-जयपुर एक्सप्रेस के AC कोच में लगी आग, राहत-बचाव का काम जारी

हैदराबाद, एजेंसी | तेलंगाना के नामपल्ली रेलवे स्टेशन से बड़ी खबर सामने आ रही है। शुक्रवार शाम नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर हैदराबाद-जयपुर स्पेशल एक्सप्रेस के दो एसी कोच में आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी तुरंत स्टेशन पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन के जयपुर के लिए निर्धारित प्रस्थान समय (शाम 7 बजे) से कुछ ही देर पहले ट्रेन के 3-टियर AC कम्पार्टमेंट के B1 और B2 कोच में आग की लपटें उठने लगीं। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी तुरंत स्टेशन पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि एक बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि जब आग लगी तब प्रभावित कोचों के अंदर कोई यात्री मौजूद नहीं था। सतर्क रेलवे कर्मचारियों ने आस-पास के कम्पार्टमेंट से यात्रियों को बाहर निकाला और आपातकालीन टीमों को आग बुझाने में मदद की। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। रेलवे अधिकारियों द्वारा इस घटना की विस्तृत जांच किए जाने की उम्मीद है।

मोदी ने ब्रदर बोलकर लूट ली यूएई की महफिल

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिली | यूएई में पीएम मोदी ने कहा कि ब्रदर इस आत्मीय स्वागत के लिए मैं आपका हृदय से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं और जैसा आपने कहा मैं अपने दूसरे कराया ये शब्द ये भाव मेरे जीवन की बहुत बड़ी पूंजी है आज भी जिस प्रकार से आपकी वायु सेना के जहाजों ने किया। ये भारत के लोगों का सम्मान है। आपने पिछले दिनों प्राकृतिक आपदा के कारण कुछ इलाकों में जो परेशानियां आई उन पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त की। इसके लिए भी मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। वेदर पिछले कुछ समय से आपसे फोन पर तो बात होती रहती थी परंतु मैं स्वयं आपसे मिलने के लिए बहुत ही बेता आता पता नहीं क्यों लेकिन मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे जितना हो सके उतना जल्दी आपके पास आना चाहिए आपको मिलना चाहिए आज आपसे मिलकर के मुझे सचमुच बहुत खुशी हुई है ब्रदर जैसा मैंने आपको पहले भी कहा है यूएई पर हुए हमलों की हम कठोर निंदा करते हैं यूएई को जिस तरह निशाना बनाया गया है ये किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है ब्रदर इन कठिन परिस्थितियों में आपने जिस संयम करेज और विल का परिचय दिखाया है। यह बहुत ही सराहनीय है। राष्ट्रीय एकता सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने आपके नेतृत्व में उठाए गए कदमों का हम अभिनंदन करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि कठिन समय यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय की चिंता करने और उनकी देखभाल की जिस प्रकार से आपने उनको अपने परिवार के सदस्यों को संभाला है।

उज्जैन की जनता सिंहस्थ संबंधी कार्यों में सहयोग कर पेश कर रही हैं नई मिसाल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ:2028 के लिए श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के आवागमन एवं सुविधाएं बढ़ाने के लिए घाटों एवं मार्गों के चौड़ीकरण कार्य किए जा रहे है। सरकार द्वारा सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। सिंहस्थ के लिये सभी कार्य इस तरीके से किए जा रहे है कि पौराणिक और धार्मिक नगरी उज्जैन को लंबे समय तक उनका लाभ प्राप्त हो। उज्जैन के जनप्रतिनिधि, सभी धर्म के अनुयायी और नागरिक विकास कार्यों का समर्थन कर रहे है और सहयोग प्रदान कर देश के लिए एक नई मिसाल बन रहे है।

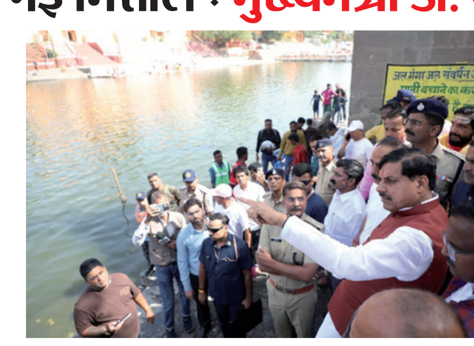

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में रामघाट पहुंचकर हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत कार्य तेजी गति, गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें।

होमगार्ड द्वारा आयोजित बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का अवलोकन किया - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसिद्धि पाल से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण के निरीक्षण के बाद होमगार्ड द्वारा आयोजित बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड जवानों की हौसला अफजाई की। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री संतोष कुमार जाट ने जानकारी दी कि होमगार्ड द्वारा 250 होमगार्ड जवानों को बाढ़ बचाव के लिए डीप डाइविंग, नाविकों, स्विमिंग, लाइफ जैकेट के उपयोग का तरीका, आपदा और बाढ़ बचाव सामग्री का उचित प्रयोग, अंडर वॉटर रेस्क्यू और सर्फेस वॉटर रेस्क्यू का 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, छात्रों से वसूले लाखों रुपये, सीबीआई ने किया पूरे रैकेट का खुलासा

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में CBI ने बड़ा खुलासा किया है. CBI ने उस कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने परीक्षा से पहले ही छात्रों को सवाल और उनके जवाब रटवा दिए थे. जांच एजेंसी के मुताबिक आरोपी का नाम पी.वी. कुलकर्णी है, जो एक केमिस्ट्री लेक्चरर है और NTA की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ा हुआ था. इसी वजह से उसे प्रश्नपत्रों तक पहुंच मिली हुई थी. जांच में सामने आया कि उसने इसी पहुंच का फायदा उठाकर पेपर लीक का पूरा खेल रचा.

छात्रों के लिए चलाई खास सीक्रेट कोचिंग

CBI जांच में पता चला है कि अप्रैल 2026 के आखिरी सप्ताह में कुलकर्णी ने अपने नेटवर्क के जरिए कुछ छात्रों को इकट्ठा किया. इस काम में उसकी मदद मनीषा वाघमारे नाम की महिला ने की, जिसे CBI ने 14 मई को गिरफ्तार किया था. आरोप है कि पुणे स्थित अपने घर पर कुलकर्णी ने छात्रों के लिए खास सीक्रेट कोचिंग क्लास चलाई. इन क्लासों में वो सवाल, उनके ऑप्शन और सही जवाब बोल-बोलकर छात्रों को लिखवाता था.

ज़ोमैटो-स्विगी डिलीवरी ठप! महंगे पेट्रोल के खिलाफ गिग वर्कर्स की हड़ताल का ऐलान, रखी ये मांग

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने के बाद अब इसका असर ऐप आधारित डिलीवरी और कैब सेवाओं पर भी दिखने लगा है. गिग एवं प्लेटफॉर्म सर्विस वर्कर्स यूनियन (GIPSWU) ने बढ़ती ईंधन कीमतों के खिलाफ विरोध का ऐलान किया है. यूनियन ने कहा है कि शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक गिग वर्कर्स ऐप बंद रखकर विरोध जताएंगे.

यूनियन का कहना है कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने से सबसे ज्यादा असर डिलीवरी बॉय और ड्राइवरों पर पड़ रहा है. Swiggy, Zomato, Blinkit, Zepto, Ola, Uber और Rapido जैसी कंपनियों के लिए काम करने वाले लाखों वर्कर्स अपनी कमाई के लिए पूरी तरह बाइक और स्कूटर पर निर्भर हैं. ऐसे में ईंधन के दाम बढ़ने से उनकी रोज की बचत लगातार कम होती जा रही है.

20 रुपये प्रति किलोमीटर रेट की मांग - यूनियन ने कंपनियों से मांग की है कि गिग वर्कर्स के लिए कम से कम 20 रुपये प्रति किलोमीटर सर्विस रेट तय किया जाए. यूनियन का कहना है कि जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं तो खर्च तुरंत बढ़ जाता है, लेकिन कंपनियां डिलीवरी चार्ज या प्रति किलोमीटर भुगतान नहीं बढ़ातीं.

टिहरी में भारी बारिश से तबाही; बिलौंदी पुल के पास कई दुकानों में घुसा पानी और मलबा

• देहरादून, एजेंसी

देहरादून | टिहरी में दोपहर बाद मौसम बदला और तेज बारिश हुई। जौनपुर ब्लॉक में धनोल्टी तहसील क्षेत्र के नौघर गांव में अचानक हुई तेज बारिश का पानी बिलौंदी पुल बाजार में कुलवीर सिंह नकचवाल की दुकान में घुस गया। जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है।

जबकि सड़क पर मलबा एकत्रित होने से नगुण-भवान-देहरादून स्टेट हाईवे काफी देर अवरुद्ध रहा। बिलोंदी पुल में रोड पर मलबा भरने के कारण वहां से जा रहे कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी और धनोल्टी विधायक प्रीतम सिंह पंवार वहां घंटों फंसे रहे।

जौनपुर क्षेत्र में दोपहर के समय हुई अनाचक तेज बारिश से अगलाड़ नदी का जलस्तर भी बढ़ गया। बिलौंदी पुल बाजार की दुकानों में पानी घुसने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे राजस्व उप निरीक्षक अब्बुज चौधरी ने बातया कि 15 मई को शाम करीब तीन-चार बजे के बीच क्षेत्र में बहुत तेज बारिश हुई। एकत्रित बरसाती पानी मलबे के साथ कुलवीर सिंह के कमरों और दुकान में घुस गया। जिससे उनका घर और दुकान में रखा काफी सामान खराब हो गया। उन्होंने बताया कि नगुण-भवान-देहरादून पर पानी और मलबा भरने से कुछ देर अवरुद्ध हो गया। जेसीबी मशीन से मलबा हटाकर रोड सुचारू की गई। राजस्व उप निरीक्षक ने बताया कि बरसाती पानी के साथ मलबा बिलोदी के पास और 10 दुकानों में भी घुस गया।

उपराज्यपाल ने वॉर म्यूजियम का किया उद्घाटन, बॉर्डर टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

• जम्मू, एजेंसी

जम्मू | कुपवाड़ा जिले के तंगधार में बर्फ से ढकी चोटियों से घिरा खतरनाक इलाका कभी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होने वाली घुसपैठ के लिए जाना जाता था। इस दर्रे (पास) का नाम गुजरे जमाने की मशहूर अभिनेत्री साधना के नाम पर रखा गया है। एलओसी के पास वीरवार को यहां एसएम हिल पर सुविधाओं से लैस एक चेकपोस्ट और शौर्यगाथा संग्रहालय (वॉर म्यूजियम) के उद्घाटन के साथ ही यह इतिहास वर्तमान से जुड़ गया।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस शौर्य गाथा कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। ये स्थान चारों ओर से सौंदर्य से परिपूर्ण पहाड़ियों से घिरा है।

एलजी ने कहा, ये युद्ध संग्रहालय पूरे देश की ओर से एक संदेश है कि हम अपने वीर जवानों को हमेशा याद रखते हैं और हमेशा याद रखेंगे... ये पहाड़ हमारे सैनिकों की एकता के गवाह के रूप में खड़े हैं। युद्ध संग्रहालय में 1947-48, 1965, 1971 के संघर्षों और हाल ही के ऑपरेशन सिंदूर की वीरता और साहस की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा कि भारत रणभूमि दर्शन पहल के तहत वीरता स्थलों को बढ़ावा देने जैसी पहल इस क्षेत्र की समृद्ध रक्षा विरासत और संस्कृति को प्रदर्शित करने के साथ-साथ तंगधार-करनाह क्षेत्र में आर्थिक विकास और समृद्धि लाएगी।

पटियाला जेल से भागे तीन कैदी: दो को पुलिस ने पकड़ा, ड्रग तस्करी केस में बंद थे; डीआईजी जेल मौके पर पहुंचे

• जम्मू, एजेंसी

पटियाला | अमृतसर के तीनों कैदी ड्रग तस्करी के आरोप में जेल में बंद थे। बताया जा रहा है कि पुलिस ने दो आरोपियों को काबू कर लिया है।

सेंट्रल जेल पटियाला से तीन कैदियों के भागने का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस ने दो फरार कैदियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन इस अति सुरक्षित माने जाने वाली जेल से कैदियों की फरारी से जेल सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल पैदा हो रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, ये कैदी ड्रग तस्करी के आरोप में जेल में बंद थे। तीनों अमृतसर से जुड़े बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीआईजी जेल मौके पर पहुंचे। दूसरी ओर, पटियाला पुलिस ने इस मामले में कई जगहों पर छापेमारी की। पुलिस की ओर से दो कैदियों के पकड़े जाने की खबर है।

गुरुदेव के आशीर्वाद से ही सनातन और सत्य मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा मिलती है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- » मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में जय गुरुदेव आश्रम में श्री गुरुदेव से की भेंट गुरुदेव के अमृत प्रवचन का श्रवण किया
- » मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाखों अनुयायियों को संबोधित किया
- » मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक कल्याणकारी कार्यों से अब जनता के हो गए है लाडले : श्री गुरुदेव उमाकांत महाराज
- » जय गुरुदेव आश्रम उज्जैन में सिंहस्थ जैसा नजारा, स्व अनुशासन से अनुशासित लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में जय गुरुदेव आश्रम में गुरुदेव महाराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया और उनके अमृत प्रवचनों का श्रवण किया। गुरुदेव श्री उमाकांत जी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सदा ऐसे ही समाज की सेवा में लगे रहे और सत्य, सनातन, अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जन सेवा करते रहें। आज आप अपने कार्यों से जनता के प्यारे बन गए है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुदेव के निर्देश पर मंच से ही गुरुदेव के अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरुदेव की उज्जैन में आना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरुवर को देखकर ऐसा लगता है कि स्वयं ईश्वर को देख लिया हो, यह आश्रम परमात्मा का घर है, परमात्मा का आशीर्वाद है कि हमें गुरुवर का आशीर्वाद उनके स्वरूप में मिल रहा है और जीवन में सत्य कार्य करने का जो मार्गदर्शन हमें गुरुवर के चरणों से मिलता है उसे जीवन जीने का नया मार्ग हमें प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराज जी का आशीर्वाद चिर काल तक हम सभी को मिलता रहे और आनंद के साथ जीवन का यापन करें।

सनातन धर्म में मान्यता है कि 84 लाख योनियों के बाद हमें यह मानव जीवन मिलता है। इस मानव जीवन को सही तरीके से जीने का जो मार्ग आपके द्वारा बताया जाता है उससे जीवन सरल और संयमित होकर जीने का मार्ग मिल जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की महाराज जी की कृपा से हमने प्रदेश में गौशालाओं को बनाने और संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। उज्जैन सहित अन्य धार्मिक नगरों में भी शराब बंदी के लागू की है और प्रदेश में उज्जैन ओंकारेश्वर, महेश्वर दतिया, पीतांबरा पीठ, सलकनपुर, ओरछा, चित्रकूट सहित 19 नगर में शराबबंदी का आदेश भगवत कृपा से ही हो पाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में उज्जैन को हम मेट्रो सिटी के साथ-साथ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक नगरी के रूप में भी स्थापित कर पाएंगे। उज्जैन अब धार्मिक नगरी के साथ उत्सव की नगरी भी हो गई है गुरुदेव की कृपा से अब हम हर जिले में गीता भवन बना रहे हैं, जहां पर भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का वाचन और आध्यात्मिक अध्ययन भी हो सकेगा। भगवान श्रीकृष्ण के अनुयायी होते हुए हम सब गोपालन को भी अपना रहे हैं और गोपालक परिवारों को आर्थिक सहायता भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के साथ देश के अलग अलग जगहों से आए भक्त जय गुरुदेव आश्रम के माध्यम से भक्ति मार्ग की ओर आगे बढ़ रहे हैं। गुरुदेव के आशीर्वाद से ही हम प्रदेश की जनता की समर्पित भाव से सेवा में लगे हैं। महाराज गुरुदेव का आशीर्वाद और उनका मार्गदर्शन सदैव मिलता है।

भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले का सीएम यादव ने किया स्वागत, बोले- सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का क्षण

इंदौर | मुख्यमंत्री मोहन यादव ने धार भोजशाला मामले में हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए इसे सांस्कृतिक विरासत और आस्था के सम्मान से जुड़ा ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि सरकार फैसले के प्रभावी क्रियान्वयन में पूरा सहयोग करेगी।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट के फैसले का मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने भोजशाला को संरक्षित स्मारक और मां वाग्देवी की आराधना स्थली मानते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार सुनिश्चित होगा और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के संरक्षण में भोजशाला की गरिमा और मजबूत होगी।

सीएम ने कोर्ट के उस निर्देश का भी स्वागत किया है, जिसमें मां वाग्देवी की प्रतिमा को ब्रिटेन (यूके) से वापस भारत लाने के मुद्दे पर केंद्र सरकार से विचार करने को कहा गया है। सीएम ने कहा कि इस दिशा में वह भी आवश्यक प्रयास करेगी। सीएम यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति हमेशा सर्वधर्म समभाव, सामाजिक समरसता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देती रही है। राज्य सरकार न्यायालय के फैसले का पूरा सम्मान करती है और प्रदेश में सौहार्द, सांस्कृतिक गौरव तथा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही सीएम ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं में राज्य सरकार पूरा सहयोग देगी।

हाई कोर्ट का फैसला एक नजर में

बता दें कि हाई कोर्ट ने कहा है कि भोजशाला एक संरक्षित स्मारक है। भोजशाला वाग्देवी का मंदिर है। यहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार दिया गया है। जबकि, मुस्लिम समुदाय द्वारा नमाज अदा करने का अधिकार निरस्त कर दिया गया है।

अब भोपाल शाला का प्रबंधन और नियंत्रण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) करेगा। इतना ही नहीं, हाई कोर्ट ने भारत सरकार को लंदन के संग्रहालय से मां वाग्देवी की प्रतिमा वापस लाने संबंधी प्रस्तुतिकरण पर विचार करने के निर्देश भी दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम समुदाय अन्य उपयुक्त भूमि आवंटन के लिए सरकार के समक्ष प्रस्तुतिकरण दे सकता है।

प्रतिमा अंबिका की या सरस्वती, साबित नहीं करता भोजशाला जैन मंदिर; दावा यूं हुआ खारिज

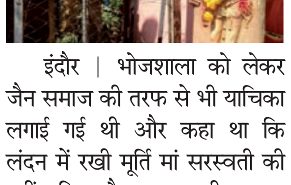

इंदौर | भोजशाला को लेकर जैन समाज की तरफ से भी याचिका लगाई गई थी और कहा था कि लंदन में रखी मूर्ति मां सरस्वती की नहीं बल्कि जैन समाज की अराध्य अंबिका देवी की है। कोर्ट ने जैन समाज की याचिका को लेकर कहा कि अंबिका देवी की मूर्ति के दावे से उस परिसर को जैन मंदिर घोषित नहीं किया जा सकता है। प्रतिमा अंबिका की है या सरस्वती की। इस तर्क से यह साबित नहीं होता कि भोजशाला जैन मंदिर थी,क्योंकि हमारे समक्ष ऐतिहासिक साहित्य, स्थापत्य विशेषताओं या एएसआई सर्वेक्षण के माध्यम से ऐसा कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं की गई है जिससे यह संकेत मिले कि विवादित क्षेत्र जैन मंदिर था।

कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत में जैन धर्म और हिंदू धर्म अलग-अलग इकाइयां नहीं हैं। इन दोनों धर्मों में पूजा-पद्धति भिन्न हो सकती है, लेकिन प्राचीन काल से दोनों की आस्थाएं साथ-साथ विकसित हुई हैं। ये एक ही परम सत्ता की उपासना करती रही हैं। परिणामस्वरूप जैन और हिंदू परंपराओं से संबंधित मूर्तियां अक्सर एक-दूसरे के मंदिरों में पाई जाती हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में मध्य प्रदेश के रतलाम के एक जैन मंदिर का हवाला दिया। जिसमें शिवलिंग के रूप में भगवान शिव तथा भगवान गणेश की मूर्तियां स्थापित हैं। इसका कानूनी आधार हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 2(1) (ए) और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 2(1) में स्थापित है, जहां जैन धर्म और बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म का हिस्सा माना गया है।

जल संकट पर भड़का आक्रोश, 22 जोन कार्यालयों पर फोड़े मटके, जमकर नारेबाजी

इंदौर | इंदौर शहर में गहराते जल संकट को लेकर आज जनता का आक्रोश सड़कों पर फट पड़ा। नगर निगम के 22 जोन कार्यालयों पर विरोध प्रदर्शन हुए। लोगों ने मटके फोड़े और अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस मुद्दे पर नगर निगम प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी का घेराव किया। नगर निगम मुख्यालय पर कांग्रेसी धरने पर बैठ गए और उन्हें रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया। शहर में पानी की किल्लत और अव्यवस्थित वितरण व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की थी। गुरुवार को पूरे शहर में इसका व्यापक असर देखने को मिला। इस आंदोलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम के सभी 22 जोनल कार्यालयों का घेराव किया और पानी की समस्या के प्रति प्रशासन को जगाने के लिए मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज करवाया।

आधी आबादी बूंद-बूंद पानी को तरसी, गंदे पानी की सप्लाई से जनता में आक्रोश

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कहा कि निगम प्रबंधन की नाकामियों के कारण आज पूरा शहर भीषण जल संकट के दौर से गुजर रहा है। चौकसे के अनुसार, शहर की लगभग आधी आबादी तक नर्मदा का पानी आज भी नहीं पहुंच पा रहा है। जिन इलाकों में पाइपलाइन मौजूद है और पानी की सप्लाई हो भी रही है, वहां भी स्थिति बेहद खराब है। वहां न तो पानी का दबाव पर्याप्त है और न ही तय समय सीमा के अनुसार आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी उजागर किया कि शहर के कई क्षेत्रों में लंबे समय से गंदा और दूषित पानी आने की समस्या बनी हुई है। उन्होंने बेहद कड़े लहजे में आरोप लगाया कि दूषित पानी के कारण 35 लोगों की मौत हो जाने जैसी गंभीर घटना के बाद भी नगर निगम प्रशासन ने स्थिति में सुधार के लिए कोई ठोस या प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं।

भाजपा के 27 साल के निगम शासन की खुली पोल

जल संकट के इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के दीर्घकालिक स्थानीय शासन को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि नगर निगम में भाजपा के पिछले 27 वर्षों के निरंतर शासन के बाद भी शहर के प्रत्येक नागरिक तक नर्मदा का जल पहुंचाने की बुनियादी व्यवस्था क्यों नहीं की जा सकी। चिंटू चौकसे ने पूर्व के दावों की याद दिलाते हुए कहा कि जब नर्मदा परियोजना के तीसरे चरण की शुरुआत की गई थी, तब प्रशासन और सत्ताधारी दल द्वारा यह बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि यह परियोजना साल 2040 तक की अनुमानित आबादी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने में पूरी तरह सक्षम रहेगी। लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है और वर्तमान में साल 2026 की आबादी को भी दैनिक उपयोग के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे सारे दावों की पोल खुल गई है।

सूखे बोरिंग और खराब मोटर ने बढ़ाई मुसीबत, ठेका व्यवस्था पर उठाए सवाल

कांग्रेस ने शहर के उन क्षेत्रों की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की है जहां अभी तक नर्मदा की पाइपलाइन नहीं बिछाई जा सकी है। इन इलाकों में रहने वाले लोग पूरी तरह से बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। भीषण और तेज गर्मी के कारण वर्तमान में कई क्षेत्रों के बोरिंग सूख चुके हैं या फिर उनकी मोटरें खराब हो गई हैं। चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम के नियंत्रण वाले सरकारी बोरिंगों की स्थिति निजी बोरिंगों से भी ज्यादा बदतर है। उन्होंने नगर निगम की ठेका प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे शहर की मोटरों को सुधारने का जिम्मा केवल एक ही ठेकेदार को सौंप दिया गया है। वह ठेकेदार भी अब काम छोड़ने की बात कह चुका है, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम प्रशासन ने समय रहते कोई वैकल्पिक या दूसरी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की, जिससे आम जनता की परेशानी और ज्यादा बढ़ गई है।

जल वितरण में वीआईपी संस्कृति का आरोप, महंगे टैंकर खरीदने को मजबूर लोग

आंदोलन की रूपरेखा साझा करते हुए कांग्रेस ने नगर निगम पर जल वितरण में पक्षपात और असमानता बरतने का बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शहर में पानी का बंटवारा समान रूप से नहीं हो रहा है। कुछ रसूखदार और वीआईपी क्षेत्रों में बहुत लंबे समय तक और अत्यधिक दबाव के साथ पानी की सप्लाई की जा रही है, जबकि दूसरी तरफ शहर की आम जनता पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रही है और परेशान हो रही है।

इस अव्यवस्था के कारण आम नागरिकों को अपनी जेब ढीली कर निजी टैंकरों से बहुत महंगे दामों पर पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर, पार्षदों को जनता की सेवा के लिए जो सरकारी टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं, वे भी हाइड्रेंट बंद होने के कारण पर्याप्त पानी नहीं भर पा रहे हैं क्योंकि शहर के कई प्रमुख हाइड्रेंट इस समय बंद पड़े हैं।

लव मैरिज से पहले प्रेमिका के सामने ही लगा ली फांसी, पुरानी बातों पर हुआ विवाद जानलेवा बन गया

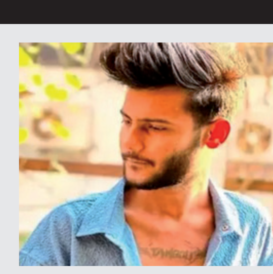

इंदौर | इंदौर के आजाद नगर थाना क्षेत्र के मूसाखेड़ी में गुरुवार रात एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई। यहां रहने वाले बीस वर्षीय युवक प्रथम तंबोली ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना के संबंध में प्रारंभिक जानकारी यह सामने आई है कि कदम उठाने से ठीक पहले युवक का उसकी मंगेतर से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दोनों के बीच बातचीत के दौरान हुई कहासुनी के बाद युवक ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

देर रात रिश्तेदारों को मिली घटना की जानकारी – पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना मूसाखेड़ी क्षेत्र की है जहां प्रथम तंबोली अपने परिवार के साथ निवास करता था। गुरुवार की देर रात जब पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों को इस बात की भनक लगी तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रथम को फंदे पर लटका हुआ देखा, जिसके बाद आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया। हालांकि तब तक काफी देर हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए एमवाय अस्पताल भिजवाया गया।

घटना के वक्त घर पर ही थी मंगेतर – मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रथम की मंगेतर छावनी क्षेत्र की रहने वाली है। जिस रात यह दुखद घटना हुई, उस रात वह प्रथम के घर पर ही आई हुई थी। उसने ही पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों को भागकर इस पूरी घटना की जानकारी दी। मंगेतर के बयान के मुताबिक उस समय दोनों के बीच सामान्य बातचीत चल रही थी, लेकिन इसी दौरान किसी पुरानी या तात्कालिक बात को लेकर उनके बीच विवाद गहरा गया। इस बहस के कुछ ही देर बाद प्रथम ने कमरे में जाकर यह खौफनाक कदम उठा लिया।

मृतक प्रथम तंबोली एक निजी संस्थान में काम करता था। जिस समय यह पूरी घटना घटित हुई, उस समय घर पर कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। उसके पिता और भाई किसी काम से शिवपुरी गए हुए थे, जबकि उसकी मां अरबिंदो अस्पताल में अपनी ड्यूटी पर तैनात थीं। घटना की खबर लगते ही रिश्तेदारों ने तुरंत फोन कर माता-पिता को वापस बुलाया।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार कुछ समय पहले ही प्रथम और उसके भाई दोनों की सगाई हुई थी और इसी साल दोनों की शादी तय की गई थी। प्रथम प्रेम विवाह करने जा रहा था। इस पूरे मामले को लेकर आजाद नगर थाना प्रभारी लोकेश भदौरिया ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है।

नेहरू स्टेडियम में बना आईपीएल मैचों का फैन पार्क, एंट्री नि :शुल्क, रोमांच दोगुना

इंदौर | इंडियन प्रीमियर लीग अर्थात आईपीएल का रोमांच देश भर में शुरू हो चुका है। हालांकि इंदौर शहर में इस बार आईपीएल के मुकाबले लाइव नहीं खेले जाएंगे लेकिन इसके बावजूद इंदौर की खेलप्रेमी जनता के लिए इन मैचों के लाइव शो विशेष रूप से तैयार किए जा रहे हैं। इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आईपीएल मैचों की तरह ही एक बेहद भव्य और आकर्षक सेटअप तैयार किया जा रहा है। यहां पर बहुत बड़ी स्क्रीन्स लगाने के साथ-साथ मैच के दीवानों के लिए पूरे स्टेडियम का सजीव और लाइव माहौल तैयार किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन स्थल को क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा फैन पार्क का नाम दिया गया है। इस पूरे आयोजन के लिए प्रवेश बिल्कुल मुफ्त रखा गया है।

स्टेडियम जैसा सजीव अनुभव और सुविधाएं - देश के इस सबसे भव्य क्रिकेट आयोजन के तमाम प्रशंसक यहां पर एक साथ एकत्रित होंगे और आईपीएल के शानदार व ऊर्जावान माहौल का भरपूर आनंद उठाएंगे। मैदान पर लगने वाली विशाल स्क्रीन पर दिखाए जाने वाले हर रोमांचक पल के साथ, हर मुख्य स्थान से लाइव मैच का सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिससे यहां आने वाले प्रशंसकों को बिल्कुल मुख्य खेल मैदान जैसा ही वास्तविक अनुभव प्राप्त होगा। शहर का कोई भी क्रिकेट प्रशंसक इस बड़े उत्सव से वंचित नहीं रहेगा क्योंकि इस फैन पार्क में प्रवेश की व्यवस्था पूरी तरह से निःशुल्क रखी गई है। इसके साथ ही, आईपीएल के आधिकारिक प्रायोजकों के विशेष गीत संगीत, खाने-पीने के स्वादिष्ट इंदौरी स्टाल, विभिन्न प्रकार के शीतल पेय और कई अन्य मनोरंजक गतिविधियां दर्शकों के इस अनुभव को और भी ज्यादा रोमांचक बना देंगी।

प्रशंसकों को मिलेगा खास मंच - इन तमाम तरह की विविध गतिविधियों के साथ, वहां मौजूद प्रशंसकों को ऐसा महसूस होगा जैसे वे अपने पसंदीदा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और टीमों का समर्थन करते हुए सीधे मुख्य स्टेडियम में ही मौजूद हैं। दर्शकों के उत्साह को और अधिक बढ़ाने के लिए, इस फैन पार्क में आने वाले सभी प्रशंसकों को अपनी पसंदीदा टीम, स्टार खिलाड़ी या क्रिकेट खेल के प्रति अपने अटूट जुनून को खुलकर व्यक्त करने और अपने खास फैन मोमेंट्स को कैमरे में कैद करने का बेहतरीन मौका मिलेगा।

रिकॉर्ड दर्शकों के आने की उम्मीद - क्रिकेट विश्लेषकों का मानना है कि आईपीएल का हर नया सीजन अपने पिछले सीजन से काफी बड़ा होता जा रहा है, और इसी क्रम में इस बार कुल मिलाकर 10 लाख से अधिक क्रिकेट प्रेमियों के आने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे इस बार फैन पार्क में दर्शकों का उत्साह और भी ज्यादा देखने को मिलेगा।

इंदौर के नेहरू स्टेडियम में होने वाले इन तीनों धमाकेदार मैचेस के लाइव स्क्रीनिंग्स का कार्यक्रम कुछ इस प्रकार तय किया गया है:

शनिवार, 16 मईः दोपहर 3:30 बजे से दर्शकों के लिए एंट्री शुरू कर दी जाएगी। इस दिन का मुख्य मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स वि. गुजरात टाइटन्स के बीच खेला जाएगा।

रविवार, 17 मईः शाम 6:30 बजे से स्टेडियम में एंट्री शुरू होगी। इस दिन दो बड़े मुकाबले दिखाए जाएंगे जिनमें पहला मुकाबला पंजाब किंग्स वि. रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दूसरा मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स वि. राजस्थान रायल्स के बीच होगा।

इंदौर-उज्जैन में ही क्यों बनेगा मेडिकल टूरिज्म वेलनेस कॉरिडोर? 2000 करोड़ के निवेश से बदलेगी तस्वीर

इंदौर | केंद्र सरकार की देश में पांच विशेष रीजनल मेडिकल हब स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब इंदौर-उज्जैन के बीच मेडिकल टूरिज्म कॉरिडोर विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। सिंहस्थ से पहले इस परियोजना को मूर्त रूप देने की दिशा में काम शुरू किया जा रहा है। शुरुआती चरण में इस परियोजना पर लगभग 2000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

इंदौर और उज्जैन के बीच मेडिकल टूरिज्म कॉरिडोर के लिए क्षेत्र का चयन इसलिए किया गया है क्योंकि इंदौर में बड़े अस्पताल समूहों के साथ सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो इस तरह के कॉरिडोर के लिए जरूरी मानी जाती हैं। वहीं, वर्ष 2024 के बाद मध्य प्रदेश में सबसे अधिक, लगभग 51 प्रतिशत पर्यटक और श्रद्धालु केवल उज्जैन पहुंचे हैं।

इंदौर और उज्जैन के बीच मेडिकल टूरिज्म कॉरिडोर विकसित करने की कवायद अब तेज हो चुकी है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से चर्चा कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे राज्य शासन को भेजा जाएगा।

इस योजना के तहत इंदौर की विशेषज्ञता वाले चिकित्सा क्षेत्रों को बढ़ावा दिया जाएगा और उन सुविधाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो वर्तमान में अन्य शहर उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं।

रिटायर्ड जज व बेटे खिलाफ थाने में परिजनों ने किया हंगामा, कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत; जानें मामला

भोपाल | भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में 31 वर्षीय नवविवाहित ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में पुलिस ने पति और उसकी रिटायर्ड जिला जज सास गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। नोएडा निवासी ट्विशा शर्मा का दिसंबर 2025 में एक वैवाहिक वेबसाइट के जरिए भोपाल निवासी रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के अधिवक्ता बेटे समर्थ सिंह के साथ हुआ था। हालांकि, गिरिबाला सिंह को शुक्रवार को ही कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई।

दो दिन पहले ट्विशा शर्मा ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या करने से पहले उसने अपने मेजर भाई हर्षित शर्मा व अन्य परिजनों को फोन कर बताया था कि पति समर्थ सिंह लगातार आठ दिन से प्रताड़ित कर रहा है। अब जीना मुश्किल हो गया है। परिजनों ने उसे नोएडा आने के लिए कहा था। बताया जाता है कि ट्विशा शर्मा ने नोएडा जाने के लिए टिकट भी कर लिया था, लेकिन देर रात गिरिबाला सिंह ने पैसा के परिजनों को फोन कर बताया कि ट्विशा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इसके बाद बुधवार सुबह भोपाल पहुंचे परिजनों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या करने का सनसनीखेज आरोप लगाया।

मृतका के मेजर भाई व परिजनों ने किया था हंगामा

पोस्टमार्टम के बाद मायके वालों ने शव लेने से इनकार कर दिया और ससुराल वालों को भी शव नहीं लेने दिया। दो दिन से ट्विशा का सव एम्स मर्चुरी में रखा है। गुरुवार को ट्विशा के भाई मेजर हर्षित शर्मा और अन्य परिजनों ने पुलिस आयुक्त संजय कुमार से मुलाकात कर हत्या का प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की। इसके बाद परिजन कटारा हिल्स थाने पहुंचे और जमकर हंगामा किया। परिजन इस बात पर अड़े थे कि जब तक ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सांस गिरिबाला सिंह पर हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं कर लिया जाता तब तक वह शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। आरोप प्रत्यारोपण के बीच शुक्रवार को कटारा हिल्स थाना पुलिस ने रिटायर्ड जिला एवं सत्य न्यायाधीश गिरिबाला सिंह एवं उनके अधिवक्ता बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया।

रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को राहत

उधर, गिरिबाला सिंह की तरफ से भोपाल जिला कोर्ट में शुक्रवार को ही अग्रिम जमानत का आवेदन लगाया गया। अग्रिम जमानत अर्जी को एडीजे सुरेखा मिश्रा ने यह कहकर सुनने से इंकार कर दिया कि मैं पहले पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के अधीन काम कर चुकी हूं, इसलिए उनके प्रकरण को सुन नहीं सकती। इसके बाद गिरिबाला सिंह की तरफ से अधिवक्ताओं ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी की अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई। इधर, उनकी बहू ट्विशा शर्मा के भाई मेजर हर्षित शर्मा ने परिजनों और दिल्ली के कुछ अधिवक्ताओं के साथ गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत अर्जी का विरोध किया। हालांकि, सुनवाई के बाद जिला जज पल्लवी द्विवेदी ने गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत दे दी।

घाटे में चल रही भोपाल मेट्रोः कमाई का नया मॉडल भी ठंडा, प्री-वेडिंग शूट की अनुमति के 10 दिन बाद भी बुकिंग नहीं

भोपाल | भोपाल मेट्रो ने अतिरिक्त कमाई के लिए प्री-वेडिंग शूट, फिल्म शूटिंग और बर्थ-डे सेलिब्रेशन जैसी गतिविधियों की अनुमति देने का नया मॉडल शुरू किया था, लेकिन यह प्रयोग फिलहाल जमीन पर सफल होता नजर नहीं आ रहा। 5 मई को जारी आदेश के 10 दिन बाद तक मेट्रो को एक भी बुकिंग नहीं मिली है। घाटे और सीमित यात्री संख्या से जूझ रही भोपाल मेट्रो को उम्मीद थी कि स्टेशन और ट्रेन को शूटिंग व इवेंट्स के लिए खोलने से अतिरिक्त राजस्व मिलेगा, लेकिन फिलहाल मामला सिर्फ पूछताछ तक सीमित है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ लोगों और इवेंट एजेंसियों ने जानकारी जरूर ली है, लेकिन किसी ने औपचारिक बुकिंग नहीं कराई।

7000 में प्री-वेडिंग शूट का पैकेज

मेट्रो प्रशासन ने प्री-वेडिंग शूट के लिए करीब 7 हजार रुपए का पैकेज तय किया है। इसमें तय समय के लिए स्टेशन परिसर और ट्रेन में शूटिंग की अनुमति दी जाएगी। वहीं फिल्म, वेब सीरीज, विज्ञापन और कमर्शियल शूट के लिए अलग-अलग शुल्क तय किए गए हैं।प्रबंधन ने इसके लिए कई शर्तें भी रखी हैं। शूटिंग या किसी आयोजन के लिए कम से कम 15 दिन पहले आवेदन देना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यात्रियों की आवाजाही और सुरक्षा प्रभावित न हो।

अतिरिक्त कमाई की तलाश में मेट्रो

भोपाल मेट्रो अभी शुरुआती चरण में है और यात्री संख्या उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ पाई है। ऐसे में मेट्रो प्रबंधन लगातार अतिरिक्त राजस्व के विकल्प तलाश रहा है। इसी रणनीति के तहत स्टेशन और ट्रेन को प्री-वेडिंग शूट और सेलिब्रेशन के लिए खोलने का फैसला लिया गया था। मेट्रो को उम्मीद थी कि सोशल मीडिया रील्स और सिनेमैटिक प्री-वेडिंग शूट के बढ़ते ट्रेंड के चलते युवा वर्ग इस सुविधा को हाथोंहाथ लेगा। भोपाल में डेस्टिनेशन शूट का बढ़ता क्रेज देखते हुए इसे नए बिजनेस मॉडल के तौर पर देखा जा रहा था।

अभी सिर्फ क्वेरी, बुकिंग का इंतजार

मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि लोग लगातार नियम, समय और शुल्क को लेकर जानकारी ले रहे हैं। कुछ इवेंट एजेंसियों ने भी संपर्क किया है, लेकिन अब तक एक भी बुकिंग फाइनल नहीं हुई। ऐसे में भोपाल मेट्रो के इस नए कमाई मॉडल की धीमी शुरुआत ने प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। अब उम्मीद शादी सीजन और आगे होने वाले प्रचार-प्रसार पर टिकी है।

मंत्री विश्वास सारंग ने द्वारकानगर में बावड़ी की सफाई की झाड़ू भी लगाई

भोपाल। राजधानी भोपाल के द्वारकानगर स्थित एक बावड़ी की मंत्री विश्वास सारंग ने सफाई की। आसपास झाड़ू भी लगाई। रंपरागत जल स्त्रोतों जैसे बावड़ी, कुएं, तालाब एवं सरोवर हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। जिन्हें संरक्षित करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मंत्री सारंग ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत द्वारका नगर स्थित प्राचीन बावड़ी की सफाई के लिए श्रमदान किया एवं स्वच्छता मित्रों को किट वितरित कर उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा, जल ही जीवन का आधार है और जल स्त्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रदेशभर में जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन के लिए बड़े स्तर पर कार्य किया जा रहा है। मंत्री सारंग ने चांदबड़ में संपर्क अभियान के तहत बिजली संबंधी सेवा शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में कनेक्शन, बिल, तकनीकी सेवाएं सहित मीटर व केवल सर्विस संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जनता को सरकार के द्वार नहीं आना पड़ता बल्कि सरकार जनता के द्वार आकर समस्याओं का हल करती है।

पर्यटन निगम के रेस्टोरेंट डोडी में भूले ज्वेलरी से भरा बैग वापस लौटाया

भोपाल। भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे पर मध्य प्रदेश टूरिज्म कॉरपोरेशन के डोडी स्थित रेस्टोरेंट में कर्मचारियों ने ईमानदारी का परिचय दिया। दरअसल,भोपाल का एक परिवार उज्जैन में शादी समारोह से वापस लौट रहा था और डोडी में ज्वेलरी से भरा बैग भूल गया था। कर्मचारियों ने बैग को सुरक्षित रखा और परिवार को वापस लौटा दिया। जानकारी के अनुसार,अशोक गुप्ता एवं उनका परिवार उज्जैन में पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होकर भोपाल लौट रहा था। यात्रा के दौरान वे कुछ समय के लिए डोडी स्थित रेस्टोरेंट पर रुके थे। इसी दौरान अनजाने में उनका एक बैग वहीं छूट गया, जिसमें कीमती आभूषण और निजी सामान रखा हुआ था। जब गुप्ता परिवारजन को बैग के गुम हो जाने का पता चला तो वे पुनः डोडी पहुंचे और वहां सहायता की गुहार लगाई। इस दौरान डोडी इकाई के प्रबंधक राजेश छुगानी ने व्यक्तिगत रूप से करीब 2 घंटे तक सीसीटीवी फुटेज की जांच कर परिवार की मदद की। जांच के दौरान पता चला कि गुप्ता का वाहन निकलने के बाद यूनिट के रेस्टोरेंट में कार्यरत कर्मचारी पप्पू बागवान एवं अशोक बागवान को लावारिस बैग दिखाई दिया था। जिसे उन्होंने इकाई के सुरक्षा कर्मियों को सुरक्षित रखने के लिए सौंप दिया था। कर्मचारियों की सतर्कता और प्रबंधन के सहयोग से गुप्ता परिवार को उनका पूरा सामान सुरक्षित वापस मिल गया। गुप्ता परिवार ने कहा कि पर्यटन निगम की इकाई डोडी के स्टॉफ न केवल उनका कीमती सामान लौटाया बल्कि मानवता और विश्वास को भी मजबूत किया है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा इंदौर में देवास अग्निकांड के घायलों से मिले

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने गुरुवार को इंदौर के एमवाय अस्पताल एवं चोईथराम अस्पताल पहुँचकर देवास जिले के टोंककला की फटाखा फैक्ट्री में हुए दुखद अग्निकांड में घायल मरीजों का हाल जाना। उन्होंने बर्न वार्ड में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा चिकित्सकों को सभी घायलों के समुचित और निःशुल्क उपचार के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रत्येक घायल को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि मरीजों को समय पर दवाइयाँ, आवश्यक जाँच और विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने घायलों के परिजन से भी बातचीत कर आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर चिकित्सकों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एमवाय अस्पताल में डॉ. अशोक यादव और अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उपचार की जानकारी दी। इस दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट भी एमवाय अस्पताल पहुँचे।

डायल 112 की सजगता से 16 वर्षीय बालिका का बाल विवाह रूका

भोपाल । मध्य प्रदेश के दमोह जिले के थाना बटियागढ़ क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता और संवेदनशील कार्यवाही से एक 16 वर्षीय बालिका का बाल विवाह समय रहते रुकवाया गया। डायल-112 एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त कार्रवाई से बालिका के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सकी। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना बटियागढ़ अंतर्गत ग्राम घुंघस में एक नाबालिग बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना प्राप्त होते ही दमोह डायल-112 कंट्रोल रूम में पदस्थ महिला आरक्षक विभा तिवारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआरवी टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को भी सूचना दी गई। डायल-112 स्टाफ आरक्षक सोनू पटेल एवं पायलट धर्मेंद्र राजपूत ने मौके पर पहुंचकर पाया कि ग्राम घुंघस निवासी 16 वर्षीय बालिका का विवाह परिजनों द्वारा कराया जा रहा था। विवाह की रस्में जारी थीं तथा बारात आने वाली थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने तत्काल हस्तक्षेप कर बाल विवाह रुकवाया। इसके बाद मौके पर पहुंची महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

पीएम मोदी पर लिखी किताब युवाओं को विकसित भारत बनाने की प्रेरणा देगी : शिवराज सिंह

26 मई को दिल्ली में होगा अपनापन किताब का विमोचन,साझा किए 33 वर्षों के अनुभव

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अब एक लेखक के रूप में सामने आए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व,जीवन दर्शन और उनकी कार्यशैली पर आधारित एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीर्षक 'अपनापन' रखा गया है। इस पुस्तक का विमोचन 26 मई को देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में किया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर इस संबंध में पोस्ट साझा करते हुए बताया कि यह पुस्तक उनके लिए केवल एक दस्तावेज नहीं,बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ बिताए गए पिछले 33 वर्षों के अनुभवों का निचोड़ है। उन्होंने लिखा कि तीन दशकों से अधिक के सार्वजनिक जीवन में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अनेक भूमिकाओं और विभिन्न दायित्वों में कार्य करते हुए मुझे उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व, सेवा, संगठन, सुशासन और राष्ट्र-समर्पण को अनेक दृष्टिकोणों से देखने-समझने का अवसर मिला। इन्हीं अनुभवों, भावनाओं, प्रेरणाओं और जीवन-मूल्यों को मैंने अपनी पुस्तक 'अपनापन' में संजोने का विनम्र प्रयास किया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने आगे लिखा कि मुझे यह साझा करते हुए प्रसन्नता है कि मेरी इस कृति 'अपनापन' का लोकार्पण 26 मई को प्रातः 10.30 बजे, एनएएससी कॉम्प्लेक्स पूसा,नई दिल्ली में होगा। मेरा विश्वास है कि यह पुस्तक सभी पाठकों को, विशेषकर हमारे युवा मित्रों को, सेवा, संवेदना,राष्ट्रभक्ति और जनकल्याण के विचारों के साथ विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देगी। शिवराज सिंह चौहान ने एक वीडियो भी साझा किया। इसमें उन्होंने कहा कि दुनिया प्रधानमंत्री मोदी को एक वैश्विक नेता के रूप में देखती है, लेकिन उन्होंने उन्हें एक साधक और कर्मयोगी के रूप में बहुत करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि वे देर रात तक फाइलों पर काम करने के बाद भी अगली सुबह उसी ऊर्जा और संकल्प के साथ देश सेवा में जुट जाते हैं। उन्होंने पुस्तक में उल्लेख किया है कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी का हृदय सदैव किसानों, माताओं, बहनों और साधारण कार्यकर्ताओं के लिए धड़कता है।

रिटायर्ड जज की बहू की मौत पर बवाल,पुलिस कार्रवाई पर हंगामा

मायके पक्ष ने पति पर लगाए गंभीर आरोप,थाना परिसर में किया प्रदर्शन

भोपाल। राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में रिटायर्ड महिला जज की बहू ट्विशा शर्मा की आत्महत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। गुरुवार को मृतका के परिजन महिला थाने पहुंचे और पुलिस कार्रवाई को लेकर जमकर हंगामा किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि प्रभावशाली परिवार होने के कारण आरोपी पक्ष के खिलाफ कार्रवाई में देरी की जा रही है। मृतका के मायके पक्ष ने पति समर्थ शर्मा पर मानसिक प्रताड़ना, हत्या और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस ने बयान दर्ज करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। मामले को लेकर थाने में काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। ट्विशा के परिजनों ने कटारा हिल्स पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि बुधवार देर रात वे न्याय की मांग लेकर थाने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने उनसे बातचीत तक नहीं की। परिजनों के मुताबिक वे रात करीब 12 बजे तक थाने के बाहर खड़े रहे, जबकि थाना परिसर का गेट बंद कर दिया गया था। परिवार का आरोप है कि उनकी बेटी की मौत के बाद भी उसे बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। ट्विशा को ड्रग एडिक्ट बताए जाने से परिवार बेहद आहत है। मृतका की बहन प्रियंका शर्मा ने आरोप लगाया कि अस्पताल में मौत की पुष्टि होने के बाद पति समर्थ शर्मा और उसकी मां करीब एक घंटे तक गायब रहे। इसके बाद वे घर पहुंचे,जहां सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि परिवार लगातार न्याय के लिए भटक रहा है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर उन्हें केवल इधर-उधर भेजा जा रहा है। कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे ने पुलिस पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि थाने में किसी प्रकार की बदसलूकी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा सकती है। पुलिस के अनुसार, परिजनों ने ही पुलिसकर्मियों से अभद्र व्यवहार किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर.पाटील से उनके निवास स्थान पर सौजन्य भेंट की।

आरक्षक पुलिस संगठन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होते हैं : कैलाश मकवाणा

डीजीपी कैलाश मकवाणा की मौजूदगी में नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित 25वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल में गुरुवार को नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समारोह में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर परेड की सलामी ली और निरीक्षण किया। समारोह को संबोधित करते हुए डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है और आरक्षक पुलिस संगठन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होते हैं। लगभग 11 माह के कठिन प्रशिक्षण,अनुशासन और समर्पण के बाद तैयार हुए ये नव आरक्षक भविष्य में पुलिस विभाग की कार्यक्षमता को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अवधि जीवन का महत्वपूर्ण चरण होती है,जहां टीम भावना,अनुशासन,शारीरिक दक्षता और व्यवहारिक पुलिसिंग की सीख मिलती है। प्रशिक्षण के दौरान नव आरक्षकों को वेपन ट्रेनिंग,बलवा ड्रिल,कानून व्यवस्था,साइबर क्राइम,आधुनिक तकनीक और भीड़ नियंत्रण जैसे विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। डीजीपी ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध,कानून व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा बड़ी चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिस बल का तकनीकी रूप से दक्ष और शारीरिक रूप से सक्षम होना जरूरी है। उन्होंने विशेष सशस्त्र बल और मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों द्वारा नक्सल विरोधी अभियान, दस्यु उन्मूलन, चुनाव ड्यूटी और अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने आगामी सिंहस्थ-2028 को मध्यप्रदेश पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक,ड्रोन सर्विलांस,सीसीटीवी मॉनिटरिंग और इंटीग्रेटेड कमांड सिस्टम भविष्य की पुलिसिंग का अहम हिस्सा होंगे। कैलाश मकवाणा ने नव आरक्षकों को ईमानदारी,अनुशासन,संवेदनशीलता और संविधान के प्रति निष्ठा के साथ कार्य करने की सीख दी।

दिल्ली में काफिला छोड़कर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मेट्रो से किया सफर

प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर मध्यप्रदेश सरकार ने बनाई गाइडलाइन

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन के संयमित उपयोग की अपील पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आम आदमी की तरह नई दिल्ली में कारकेड छोड़कर मेट्रो ट्रेन से सफर किया। मेट्रो में सफर के दौरान सीएम ने जनता से संवाद भी किया। साथ में बैठे यात्रियों से उनके विचारों को जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवाजी स्टेडियम से लेकर दिल्ली एरोसिटी तक मेट्रो ट्रेन में यात्रा की। इस दौरान उनका जनता से आत्मीय संवाद भी हुआ। कुछ महिलाओं ने उनसे कहा कि मध्यप्रदेश बहुत खूबसूरत है। वे प्रदेश के कई हिस्से घूम चुकी हैं। इस पर सीएम डॉ.मोहन ने उन्हें धन्यवाद कहा। यात्रियों से चर्चा के दौरान सीएम ने बताया कि विश्वास और विकास साथ-साथ कैसे चल सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने गाइडलाइन भी बनाई है। सीएम डॉ.मोहन यादव वो सब उपाय कर रहे हैं, जिससे देश के लिए डॉलर बचे और देश की विदेश पर निर्भरता कम हो। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का सबको पालन करना चाहिए। यह देश हित में है। देश को मजबूत स्थिति में लाना है तो जीवन पद्धति में अनुशासन और परिवर्तन लाना पड़ेगा। दिल्ली में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह,नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू, प्रहलाद जोशी, मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। सीएम के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी भी केन्द्रीय मंत्रियों के साथ हुई मुलाकातों के दौरान मौजूद रहे। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर हमारी सरकार ने अच्छे से काम किया है। हम भी इस पर काम कर रहे हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि हम सब मिलकर इस पर अमल करेंगे।

मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में 2.42 लाख कार्यों का लक्ष्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश जल आत्मनिर्भरता का एक नया इतिहास लिख रहा है। प्रदेश की जल संरचनाओं के पुनरुद्धार और नवीन जल स्रोतों के निर्माण के उद्देश्य से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अब अपने निर्णायक दौर में है। अभियान में न केवल लुप्त हो रही जल संरचनाओं को जीवनदान मिल रहा है, बल्कि वैज्ञानिक पद्धतियों से वर्षा जल के संग्रहण की क्षमता में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 77 हजार 121 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जो राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन के लिए एक सुखद संकेत है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) के समन्वय से संचालित इस विशाल अभियान के लिए राज्य सरकार ने व्यापक वित्तीय प्रावधान किए हैं। पूरे प्रदेश में कुल 2 लाख 42 हजार 188 कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए 6,201.81 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में अब तक 4,443.85 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। अभियान का मुख्य उद्देश्य खेत का पानी

र है, ताकि आगामी मानसून में वर्षा की हर बूंद का संचयन सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के अंतर्गत कार्यों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर सूक्ष्म स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। विशेष रूप से डग वेल रिचार्ज (सूखे कुओं का पुनर्भरण) में प्रदेश ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जहाँ 88,123 से अधिक कुओं को रिचार्ज करने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

|| संपादकीय ||

ट्रंप और जिनपिंग की दोस्ती ने बदल डाले वैश्विक राजनीतिक समीकरण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा बदलती विश्व व्यवस्था का ऐसा प्रतीक बनकर सामने आई जिसने वैश्विक राजनीति की दिशा पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ट्रंप की लंबी बैठकों, व्यापारिक समझौतों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी सहयोग पर चर्चा तथा अमेरिकी उद्योगपतियों की भारी मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि तमाम टकरावों और आरोपों के बावजूद अमेरिका और चीन एक दूसरे से अलग नहीं हो सकते। इसी के साथ यह सवाल भी तेज हो गया है कि क्या इस यात्रा ने क्वॉड जैसे रणनीतिक समूहों के भविष्य पर भी अनिश्चितता पैदा कर दी है?

दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी, तब ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि "अमेरिका भारत को चीन और रूस के हाथों खो रहा है।" यही नहीं, मोदी की चीन और रूस के नेताओं के साथ तस्वीरों को वाशिंगटन में रणनीतिक असहजता के रूप में देखा गया था। लेकिन अब वही ट्रंप खुद चीन की धरती पर शी जिनपिंग के साथ बैठकों में व्यस्त रहे। उनके साथ अमेरिका के सबसे बड़े उद्योगपति और तकनीकी कंपनियों के प्रमुख भी मौजूद रहे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि भारत का चीन से संवाद अमेरिका के लिए "भारत को खो देना" था, तो फिर ट्रंप की अपनी चीन यात्रा को क्या कहा जाए? क्या यह अमेरिकी यथार्थवाद है, आर्थिक मजबूरी है या फिर वैश्विक शक्ति संतुलन की नई स्वीकारोक्ति है?

ट्रंप की इस यात्रा ने यह भी साफ कर दिया कि चीन को अलग थलग करने की अमेरिकी रणनीति अब पहले जैसी प्रभावी नहीं रह गई है। वहीं बीजिंग ने ट्रंप की इस यात्रा को केवल कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहने दिया, बल्कि इसे अपनी तकनीकी, आर्थिक और सामरिक शक्ति के प्रदर्शन में बदल दिया। शहर की सड़कों पर चालक रहित विद्युत वाहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियां, मानवरूपी रोबोट और डिजिटल विज्ञापन चीन की नई ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। चीन दुनिया को यह संदेश देना चाहता था कि अब वह केवल सस्ती वस्तुएं बनाने वाला देश नहीं बल्कि भविष्य की तकनीकों का नेतृत्व करने वाली शक्ति बन चुका है।

देखा जाये तो ट्रंप की यात्रा ऐसे समय हुई जब अमेरिका ईरान युद्ध के कारण कई मोर्चों पर दबाव में है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के अनुसार चीन ने ईरान संकट का उपयोग अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य संकट के बीच चीन ने ऊर्जा आपूर्ति और हथियारों के जरिये अपनी भूमिका बढ़ाई, जबकि अमेरिका युद्ध और आर्थिक दबावों में उलझा रहा। यही कारण है कि ट्रंप को अंततः बीजिंग पहुंचकर शी जिनपिंग से संवाद करना पड़ा।

बीजिंग में हुई बातचीत के दौरान ताइवान सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया। शी जिनपिंग ने साफ कहा कि यदि ताइवान के मुद्दे को ठीक ढंग से नहीं संभाला गया तो दोनों देशों के बीच टकराव और संघर्ष हो सकता है। यह बयान केवल चेतावनी नहीं था बल्कि बदलते शक्ति संतुलन का संकेत भी था। चीन अब अमेरिका से बराबरी की भाषा में बात कर रहा है।

ट्रंप की प्राथमिकता हालांकि व्यापार और निवेश रही। उनके साथ एलन मस्क, जेन्सन हुआंग और अन्य अमेरिकी उद्योगपति भी पहुंचे। यह इस बात का संकेत था कि अमेरिकी उद्योग जगत चीन से दूरी नहीं चाहता। दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता अर्थव्यवस्था और विशाल तकनीकी बाजार से अलग होना अमेरिका के लिए आसान नहीं है।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक बयान ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने कई संवेदनशील मुद्दों पर व्यावहारिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने के संकेत दिए। बयान के अनुसार ट्रंप और शी जिनपिंग ने अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन में बाजार पहुंच बढ़ाने, चीन के निवेश को अमेरिका में प्रोत्साहित करने और कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न होने देने पर भी सहमति जताई। चीन ने जलडमरूमध्य के सैन्यीकरण का विरोध दोहराया, जबकि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देने पर भी साझा रुख सामने आया। यह बयान इस बात का संकेत है कि तीखी प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक अविश्वास के बावजूद अमेरिका और चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर टकराव के बजाय नियंत्रित सहयोग की राह भी तलाश रहे हैं।

यही वह बिंदु है जहां क्वॉड का भविष्य भी सवालों में घिरता दिखाई देता है। क्वॉड को लंबे समय से हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाले समूह के रूप में देखा जाता रहा है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की यह साझेदारी चीन को लेकर साझा रणनीतिक चिंता पर आधारित मानी जाती है। लेकिन यदि अमेरिका का राष्ट्रपति खुद चीन के साथ संबंधों को स्थिर करने, व्यापार बढ़ाने और तकनीकी सहयोग तलाशने बीजिंग पहुंचता है, तो फिर क्वॉड की वास्तविक दिशा क्या रह जाएगी?

भारत के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में नई दिल्ली ने क्वॉड को अपनी हिंद प्रशांत रणनीति का अहम हिस्सा बनाया है। लेकिन ट्रंप की चीन यात्रा यह संकेत देती है कि अंततः अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर ही निर्णय लेगा। यदि आर्थिक या सामरिक कारणों से उसे चीन के साथ समझौता करना पड़े, तो वह पीछे नहीं हटेगा। ऐसे में भारत को यह समझना होगा कि वैश्विक राजनीति स्थायी मित्रताओं से अधिक स्थायी हितों पर चलती है।

ट्रंप की यात्रा ने एक और महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है। अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा अब केवल व्यापार युद्ध तक सीमित नहीं है। यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, दुर्लभ खनिज, चिप निर्माण, समुद्री मार्गों और वैश्विक प्रभाव की व्यापक लड़ाई बन चुकी है। लेकिन इस प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों देश एक दूसरे पर निर्भर भी हैं। अमेरिका चीन को रोकना चाहता है, लेकिन उसकी कंपनियां चीन के बाजार और विनिर्माण क्षमता से अलग नहीं हो पा रहीं। दूसरी ओर चीन अमेरिकी तकनीक और वैश्विक वित्तीय संरचना से पूरी तरह अलग नहीं हो सकता।

इसीलिए बीजिंग में ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात केवल दो नेताओं की बैठक नहीं थी। यह उस नई विश्व व्यवस्था की झलक थी जिसमें प्रतिद्वंद्विता और सहयोग साथ-साथ चलेंगे। दोनों देश सार्वजनिक रूप से एक दूसरे को चुनौती देंगे, लेकिन आर्थिक और तकनीकी स्तर पर पूरी तरह अलग भी नहीं होंगे।

इस पूरी प्रक्रिया में भारत की स्थिति बेहद जटिल हो जाती है। एक ओर वह अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखता है और चीन के साथ संवाद भी बनाए हुए है। ट्रंप की चीन यात्रा भारत को यह संदेश भी देती है कि वैश्विक राजनीति में किसी एक धुरी पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।

बहरहाल, ट्रंप की बीजिंग यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी की विश्व राजनीति का केंद्र अब अमेरिका चीन संबंध ही होंगे। यही संबंध तय करेंगे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था किस दिशा में जाएगी, तकनीकी नेतृत्व किसके हाथ में रहेगा और भविष्य की विश्व व्यवस्था कैसी होगी। लेकिन इसके साथ ही यह यात्रा एक बड़ा सवाल भी छोड़ गई है कि यदि अमेरिका खुद चीन के साथ अपने रिश्तों को नए सिरे से गढ़ रहा है, तो फिर दुनिया के बाकी देशों से वह किस प्रकार की रणनीतिक निष्ठा की अपेक्षा कर सकता है?

सारे ज्वेलर्स ले आये नई स्कीम, अब पुराना सोना बेचो नहीं, बदलो! मिलेगा पूरा फायदा

देश की जानी मानी कंपनियां जैसे Kalyan Jewellers, Malabar Gold & Diamonds, Muthoot Exim, MMTC-PAMP और Tanishq पुरानी ज्वेलरी, टूटे हुए आभूषण, पुराने डिजाइन के गहने और सोने के सिक्कों को नए गहनों के बदले स्वीकार कर रही हैं।

हाल ही में सोने के आयात शुल्क में बढ़ोतरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोगों से सोने की खरीद कुछ समय के लिए टालने की अपील के बाद देश की प्रमुख आभूषण कंपनियां अब सोना पुनर्चक्रण योजनाओं यानि गोल्ड रि-साइक्लिंग स्कीम्स को तेजी से बढ़ावा दे रही हैं। इस पहल का उद्देश्य एक ओर घरेलू बाजार में सोने की मांग को संतुलित करना है, वहीं दूसरी ओर सोने के आयात पर निर्भरता कम कर देश को सीमा शुल्क भुगतान में राहत दिलाना भी है।

देश की जानी मानी कंपनियां जैसे **Kalyan Jewellers, Malabar Gold & Diamonds, Muthoot Exim, MMTC-PAMP** और **Tanishq** पुरानी ज्वेलरी, टूटे हुए आभूषण, पुराने डिजाइन के गहने और सोने के सिक्कों को नए गहनों के बदले स्वीकार कर रही हैं। इन कंपनियों का दावा है कि इससे नया कारोबार भी बढ़ेगा और सोने के आयात का दबाव भी घटेगा।

मुथूट एक्जिम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कीयूर शाह के अनुसार सोना पुनर्चक्रण का मतलब ग्राहकों से पुराना सोना खरीदकर उसे शुद्ध करना और फिर दोबारा उद्योग में उपयोग के लिए उपलब्ध कराना है। उनका कहना है कि यदि भारतीय घरों में मौजूद कुल सोने का केवल एक प्रतिशत भी पुनर्चक्रित हो जाए तो देश का सोना आयात लगभग तीन सौ टन तक कम हो सकता है। यह भारत के कुल वार्षिक सोना आयात का लगभग चालीस प्रतिशत है।

हम आपको बता दें कि कंपनियों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अलग अलग योजनाएं शुरू की हैं। कल्याण ज्वेलर्स ने 'नेशन फर्स्ट गोल्ड फॉर इंडिया' पहल के तहत पुराना सोना विनिमय योजना शुरू की है। इसके तहत ग्राहक अपने पुराने या अनुपयोगी गहनों को नए डिजाइन में बदलवा सकते हैं। वहीं मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने अपनी स्वर्ण मौद्रीकरण योजना में न्यूनतम जमा सीमा दस ग्राम से घटाकर केवल एक ग्राम कर दी है। कंपनी ग्राहकों को सोने के वजन या नकद दोनों रूपों में भुगतान का विकल्प दे रही है।

मुथूट एक्जिम के देशभर में सौ केंद्र हैं और कंपनी के अनुसार उसने अब तक करीब पांच टन पुराना सोना खरीदा है। चालू वित्त वर्ष में ही लगभग एक हजार किलोग्राम सोना पुनर्चक्रण के लिए जुटाया गया है। दूसरी ओर तनिष्क की 'ओल्ड गोल्ड न्यू इंडिया' मुहिम के अंतर्गत नौ कैरेट से बाइस कैरेट तक के सोने को स्वीकार किया जा रहा है। कंपनी किसी भी ज्वेलर का सोना लेने का दावा करती है, चाहे वह टूटा हुआ या छोटा आभूषण ही क्यों न हो।

देखा जाये तो ग्राहकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह रहता है कि पुराने गहनों का मूल्यांकन किस प्रकार किया जाता है। कंपनियों का कहना है कि अब पारंपरिक अंदाजे की बजाय वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। कल्याण ज्वेलर्स के अनुसार सोने की शुद्धता जांचने के लिए कैरेट मीटर और सटीक वजन मशीनों का उपयोग किया जाता है। मुथूट एक्जिम ने बताया कि वह एक्स आर एफ तकनीक वाली मशीनों का प्रयोग करता है, जिससे केवल तीस सेकंड में यह पता चल जाता है कि गहनों में सोने, चांदी, तांबा, जस्ता या निकल की कितनी मात्रा है। वहीं एमएमटीसी पैंप ने कहा कि उसकी प्रक्रिया में जर्मन तकनीक आधारित आधुनिक मशीनों का उपयोग होता है, जिससे ग्राहकों के गहनों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचता।

हम आपको बता दें कि पुराने सोने के बदले मिलने वाली राशि बाजार भाव और शुद्धता पर निर्भर करती है। मुथूट एक्जिम प्रतिदिन भारतीय बुलियन और ज्वेलर्स एसोसिएशन के बाजार भाव के अनुसार मूल्य तय करता है। कुछ कंपनियां सेवा शुल्क भी वसूलती हैं। मुथूट एक्जिम सोने की कीमत का लगभग तीन प्रतिशत सेवा शुल्क लेता है, जबकि एमएमटीसी पैंप वस्तु एवं सेवा कर के साथ अन्य शुल्क भी लागू करता है। कल्याण ज्वेलर्स का कहना है कि पुराने सोने के विनिमय पर कर नहीं लगता, केवल नए गहनों की खरीद पर कर देय होता है। कंपनी ने दावा किया है कि दस ग्राम सोने पर ग्राहकों को लगभग पूरा मूल्य दिया जाता है और केवल मिश्रित धातु अलग करने का मामूली शुल्क लिया जाता है।

इसी बीच आभूषण उद्योग का विस्तार अब शॉपिंग मॉल संस्कृति को भी प्रभावित कर रहा है। नई दिल्ली समेत देश के प्रमुख शहरों में ज्वेलरी स्टोर अब बड़े मॉलों के प्रमुख आकर्षण बनते जा रहे हैं। चार वर्ष पहले जहां मॉल क्षेत्रफल का केवल एक प्रतिशत हिस्सा आभूषण दुकानों के पास था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग दस प्रतिशत तक पहुंच गया है।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनियों के अनुसार संगठित खुदरा बाजार में आभूषण क्षेत्र की हिस्सेदारी वर्ष 2019 के दो प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में आठ प्रतिशत तक पहुंच गई है। हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली एनसीआर जैसे शहरों में बड़े आकार के ज्वेलरी शोरूम तेजी से खुल रहे हैं। उपभोक्ताओं का भरोसा संगठित और प्रतिष्ठित ब्रांडों की ओर बढ़ने से यह क्षेत्र मॉल संचालकों के लिए प्रमुख किरायेदार बन गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आभूषण खरीद अभी भी भरोसे और अनुभव पर आधारित है। लोग परिवार के साथ दुकान जाकर डिजाइन देखना और समझकर खरीदारी करना पसंद करते हैं। यही कारण है कि यह क्षेत्र ऑनलाइन बिक्री से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हुआ है। तनिष्क, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, कल्याण ज्वेलर्स और कैरटलैन जैसे ब्रांड अब महानगरों के साथ छोटे शहरों में भी मॉलों के लिए भीड़ आकर्षित करने वाले प्रमुख केंद्र बन चुके हैं।

• नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

युद्ध संकट हमारी दहलीज पर

प्रधानमंत्री मोदी ने अपना काफिला कम कर उदाहरण पेश किया है। बुधवार को दो वीडियो सामने आए। एक में काफिले में मात्र दो कारें थीं और दूसरे वीडियो में 4 कारें दिखाई दीं। यह किफायत नहीं, जोखिम है। प्रधानमंत्री से ऐसी कोई अपेक्षा और शिकायत नहीं थी। प्रधानमंत्री एसपीजी के सुरक्षा-कवच में रहते हैं। उस सुरक्षा का अपना प्रोटोकॉल होता है, लिहाजा काफिले में 15 या 20 कारें हैं, इस पर सवाल उठाना ही बेमानी है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा से किसी भी किस्म का समझौता नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की नजीर का अनुसरण रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, सडक़ परिवहन मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों ने किया है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और बिहार के 'भगवा मुख्यमंत्री' सम्राट चौधरी अब भी 19-20 कारों के काफिले के साथ घूमते नजर आए हैं। बहरहाल उन्हें भी जल्द ही सद्बुद्धि आ जाएगी। काफिलों की किफायत और अन्य व्यवस्थाएं स्थायी होनी चाहिए, भेड़चाल या ढोंग के मायने बेहद खतरनाक होंगे। बचत प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायकों आदि तक ही अपरिहार्य नहीं होनी चाहिए। सरकारों में सचिव, अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, निदेशक स्तर के आईएएस, आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग सरकारी वाहन दिए गए हैं। कटौती उनमें बहुत जरूरी है। वे सभी 2-4 किमी दूर के सरकारी आवासों से दफ्तर तक आते हैं और फिर घर लौटते हैं। सरकारी वाहनों की ऐयाशी और भौकाल खत्म किए जाने चाहिए। ऐसे अधिकारियों को एक विशेष बसनुमा वाहन से दफ्तर लाया जाए और शाम को घर छोड़ा जाए। यह संवैधानिक प्रोटोकॉल नहीं है कि सभी अफसर 'महाराज' की तरह सुविधाएं भोगें। यदि देश में पेट्रोल-डीजल का संकट है, तो किफायत अपरिहार्य है। आपातस्थिति के लिए तो छूट हमेशा बनी रही है। दरअसल ये अधिकारी ही हमारी व्यवस्था के नीति-निर्माता हैं, लिहाजा निरंकुश-से हैं।

बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन बैठकों की अपील की है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह कुछ मुख्यमंत्रियों ने इस व्यवस्था को लागू करने के आदेश भी जारी करवा दिए हैं, तो ये आला अफसर भी अमल करें। यदि प्रधानमंत्री की पूरी अपील को स्वीकार कर लागू किया जाए, तो साल भर में 11.5 लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। यह बहुत बड़ी राशि है। यदि काफिला छोटा कर तेल बचाया जाता रहा, तो साल भर में करीब 91,250 लीटर डीजल बचेगा। इस तरह 1 करोड़ रुपए की बचत की जा सकेगी। यह शोशेबाजी, रुतबेबाजी अब छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि ईरान युद्ध से उपजे संकट भारत की दहलीज तक आ गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक सार्वजनिक मंच से कहा है कि यदि ईरान युद्ध जारी रहा और लंबा खिंचा, तो सरकार को पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम बढ़ाने पड़ेंगे। रसोई गैस का सिलेंडर भी महंगा होगा, क्योंकि ये सभी आयातित हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी बड़े दुखी अंदाज में खुलासा कर रहे हैं कि देश की तेल कंपनियों को 1000 करोड़ रुपए हररोज का औसतन घाटा झेलना पड़ रहा है। युद्ध के 75 दिनों में यह घाटा 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। निश्चित है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। बुधवार को कच्चे तेल के दाम 108 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए थे। हालांकि युद्ध के इस अंतराल में 98 देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ चुके हैं। 40 देशों को तेल से जुड़े प्रोटोकॉल लागू करने पड़े हैं। अमरीका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, रूस समेत वियतनाम, फिलीपींस, बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैंड आदि देशों को पेट्रो उत्पादों की राशनिंग करनी पड़ी है और कई प्रोटोकॉल लागू करने पड़े हैं।

टेक्नोलॉजी

गूगल ने ये क्या कर दिया! नया अकाउंट बनाने पर 15GB की जगह मिलेगी सिर्फ 5GB स्टोरेज

थोड़ी पीछे जाकर याद करें, जब आपने जीमेल पर अकाउंट बनाया था तो 15GB क्लाउड स्टोरेज फ्री मिली थी. सालों तक जीमेल पर यही सिस्टम चला है. गूगल पर नया अकाउंट बनाने का मतलब ही था कि 15GB क्लाउड स्टोरेज फ्री मिलनी है. आप इसे जीमेल, फोटोज या ड्राइव जहां मर्जी यूज कर सकते थे, लेकिन अब यह बदल गया है. गूगल अब नए अकाउंट पर 15GB स्टोरेज नहीं दे रही है. इसकी जगह केवल 5GB स्टोरेज ऑफर की जा रही है. आइए जानते हैं कि यह बदलाव क्यों किया गया है और इससे यूजर पर क्या असर पड़ेगा.

15GB स्टोरेज के लिए पड़ेगी फोन नंबर की जरूरत - अब अगर आप नए गूगल अकाउंट के साथ 15GB स्टोरेज लेना चाहते हैं तो फोन नंबर देना पड़ेगा. अब साइन अप के समय यूजर को एक नया पॉप-अप दिखाया जा रहा है. इसमें लिखा है कि आपके अकाउंट में 5GB स्टोरेज है. आप फोन नंबर देकर बिना किसी लागत के 15GB स्टोरेज पा सकते हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, गूगल ने मार्च में इसे लेकर अपनी पॉलिसी बदली थी. खास बात यह है कि गूगल ने इस बदलाव की जानकारी नहीं दी थी. कंपनी ने अपने ब्लॉग या सोशल मीडिया हैंडल्स पर इसे लेकर कुछ नहीं बताया. अब नया अकाउंट बनाते समय यूजर को इस बदलाव का पता चल रहा है.

स्टोरेज कम क्यों कर रही है गूगल? - रिपोर्ट्स के अनुसार, गूगल यूजर को केवल एक बार ही 15GB स्टोरेज ऑफर करना चाहती है. कंपनी नहीं चाहती कि यूजर हर बार नया अकाउंट बनाकर इस स्टोरेज का फ्री में फायदा उठा सके. इसलिए इसे मोबाइल नंबर से लिंक किया जा रहा है. इस तरह गूगल को उम्मीद है कि लोग हर बार नया अकाउंट बनाकर क्लाउड स्टोरेज यूज नहीं कर पाएंगे. गूगल ने भी इस बदलाव को कन्फर्म किया है. कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि कुछ रीजन में यह टेस्ट किया जा रहा है. इस कारण कई यूजर्स को बिना फोन नंबर दिए भी 15GB स्टोरेज एक्सेस करने का मौका मिल रहा है.

Gmail Storage को खाली कैसे करें? - अगर आप जीमेल पर स्टोरेज की कमी से जूझ रहे हैं तो कुछ आसान तरीके आपकी मदद कर सकती है. इससे स्टोरेज भी फ्री हो जाएगी और आपको एक्स्ट्रा स्टोरेज के लिए पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे.

ट्रैश और स्पैम फोल्डर को एकदम खाली कर दें. -

बड़ी अटैचमेंट वाले ईमेल्स को डिलीट कर दें.

न्यूजलैटर और प्रमोशनल ईमेल्स की सफाई से भी स्टोरेज खाली होगी.

जनरल नॉलेज

कौन थे कमाल मौला? जिनके नाम पर राजा भोज की भोजशाला को बना दिया गया था दरगाह, जानें कौन थे ये?

हाई कोर्ट ने लंबे समय से चले आ रहे भोजशाला मंदिर कमाल मौला मस्जिद विवाद में एक बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने भोजशाला परिसर को मूल रूप से एक हिंदू मंदिर के तौर पर मान्यता दे दी है. यह फैसला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट पर आधारित था. इस फैसले के बाद एक बार फिर से सभी का ध्यान कमाल मौला की तरफ गया है. आइए जानते हैं कौन थे कमाल मौला.

कौन थे कमाल मौला? - कमालुद्दीन मालवी को कमाल मौला के नाम से जाना जाता था. 13वीं-14वीं सदी के दौरान वे चिश्ती संप्रदाय से जुड़े एक सूफी संत थे. ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स के मुताबिक वे प्रसिद्ध सूफी संत निजामुद्दीन औलिया के शिष्य और समकालीन थे. माना जाता है कि कमालुद्दीन दिल्ली से मालवा क्षेत्र की यात्रा पर निकले और धार में बस गए. यहां उन्होंने लगभग चार दशकों तक इस्लामी शिक्षाओं और सूफी परंपराओं का प्रचार-प्रसार किया. वक्त के साथ इस क्षेत्र में उनकी मौजूदगी भोजशाला परिसर के साथ गहराई से जुड़ गई.

भोजशाला का कमाल मौला से जुड़ाव कैसे हुआ? - ऐसा कहा जाता है कि कमाल मौला कई सालों तक भोजशाला परिसर के पास ही रहे थे. उनकी मृत्यु के बाद इस परिसर के पास ही एक मजार या फिर समाधि बनाई गई. धीरे-धीरे मुस्लिम समुदाय के कुछ हिस्सों ने इस संत के साथ क्षेत्र के जुड़ाव की वजह से इस जगह को कमाल मौला मस्जिद कहना शुरू कर दिया. बाद में यह दोहरी पहचान भारत के सबसे संवेदनशील ऐतिहासिक और धार्मिक विवादों में से एक का केंद्र बन गई. हिंदू इस जगह को एक प्राचीन सरस्वती मंदिर मानते हैं वहीं मुस्लिम इस संरचना के कुछ हिस्सों को कमाल मौला से जुड़ी एक मस्जिद परिसर के रूप में पहचानते हैं.

राजा भोज और भोजशाला की मूल संरचना - भोजशाला का जुड़ाव पारंपरिक रूप से राजा भोज से माना जाता है. वे मालवा के एक महान शासक थे और उन्होंने 11वीं सदी में शासन किया था. ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स और एएसआई के निष्कर्ष लंबे समय से इस संरचना को देवी सरस्वती को समर्पित एक भव्य मंदिर और शिक्षण केंद्र के रूप में दर्शाते रहे हैं. राजा भोज के शासनकाल के दौरान इस परिसर को संस्कृत की पढ़ाई का एक केंद्र माना जाता था. इस जगह पर मिलीं वास्तुकला की नक्काशी, संस्कृत के शिलालेख और मंदिर शैली के खंभों को इतिहासकारों और हिंदू संगठनों ने अक्सर इसकी मूल मंदिर पहचान के सबूत के तौर पर पेश किया है.

सदियों से हुए आक्रमण और बदलाव - ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स और एएसआई के सर्वे के मुताबिक भोजशाला परिसर में लगातार आक्रमण और सल्तनत काल के दौरान बड़े ढांचागत बदलाव हुए. ऐसा कहा जाता है की सबसे बड़ा नुकसान 1305 ईस्वी में अलाउद्दीन खिलजी के मालवा पर आक्रमण के दौरान हुआ था. एतिहासिक रिकॉर्ड से ऐसा पता चलता है कि इलाके में चले सैन्य अभियानों के दौरान मंदिर के ढांचे के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया था.

ऐसा माना जाता है कि बाद में मालवा सल्तनत के संस्थापक दिलावर खान गौरी ने 1401 ईस्वी के आसपास मंदिर परिसर के कुछ हिस्सों को मंदिर के ही मौजूद खंभों और नक्काशीदार ढांचों का इस्तेमाल करके एक मस्जिद में बदल दिया. साथ ही 16वीं सदी की शुरुआत में महमूद शाह खिलजी के शासनकाल के दौरान भी इसमें बदलाव किए गए.

पाकिस्तान खरीद रहा जे-35, भारत ने भी साफ किया 114 राफेल का रास्ता, जानें दोनों की ताकत

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान अपनी हवाई शक्ति बढ़ाने के लिए चीन से J-35A पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान को खरीद रहा है। दावा किया गया है कि ये विमान 2026 के अंत तक पाकिस्तानी वायुसेना के बेड़े में शामिल हो सकते हैं। इस डिलीवरी के बाद पाकिस्तान J-35A खरीदने वाले पहले विदेशी ग्राहक बन सकता है। पाकिस्तान और चीन का दावा है कि J-35A को खास तौर पर भारत के राफेल और S-400 मिसाइल सिस्टम का मुकाबला करने के लिए विकसित किया गया है। हालांकि, भारत भी अपनी हवाई शक्ति बढ़ाने के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने वाले समझौते पर आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान 40 (लगभग दो से तीन स्क्वाड्रन) J-35A लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा है। इसकी पहली खेप 2026 के अंत तक मिल सकती है। इस सौदे के तहत चीन पहले से ही पाकिस्तानी पायलटों को J-35A लड़ाकू विमान उड़ाने की ट्रेनिंग दे रहा है। चीन का दावा है कि J-35A लड़ाकू विमान पांचवीं पीढ़ी का है, जो स्टील्थ क्षमता से लैस है। इसमें इंटरनल वेपन बे है, जो जहाज को ज्यादा स्टील्थ बनाता है। इसके अलावा इसमें रडार-अवशोषक सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। यह विमान यह एडवांस्ड AESA रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल टारगेटिंग सिस्टम (EOTS) से लैस है। राफेल और जे-35 दोनों ही आधुनिक लड़ाकू विमान हैं, लेकिन इनकी तकनीक, डिजाइन और हथियारों में बड़ा अंतर है। राफेल एक 4.5 जनरेशन का 'ओम्नीरोल' लड़ाकू विमान है, जबकि जे-35 चीन का नया 5वीं जनरेशन का 'स्टील्थ' फाइटर जेट है। विशेषता राफेल जे-35 पीढ़ी 4.5 जनरेशन 5वीं जनरेशन निर्माता देश फ्रांस चीन इंजन स्नेकमा M88-2 WS-13 या WS-19 स्टील्थ क्षमता कम (केवल रडार सिग्नेचर घटाया गया है) बहुत अधिक (रडार की पकड़ में न आने वाला डिजाइन) हथियार वहन की क्षमता बाहरी आंतरिक औपर बाहरी कॉम्बैट प्रूवन हां (लीबिया, सीरिया, इराक, अफगानिस्तान) नहीं (अभी परीक्षण और तैनाती के चरण में है) अधिकतम गति लगभग 1.8 मैक (2,222 किमी/घंटा) लगभग 2.0+ मैक (अनुमानित)

114 राफेल खरीदने को भारत भी तैयार भारतीय वायुसेना ने भी 114 राफेल फाइटर जेट के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (RFP) को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत 22 राफेल फाइटर जेट फ़्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन (यानी पूरी तरह तैयार हालत में) में खरीदे जाएँगे। बाकी 92 जेट भारत में ही बनाए जाएंगे, जिसके लिए फ़्रांस की कंपनी 'डसॉल्ट एविएशन' और भारत की किसी निजी क्षेत्र की कंपनी के बीच साझेदारी होगी। यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा फाइटर जेट खरीद कार्यक्रम होगा। भारतीय वायुसेना ने यह कदम अगले महीने एयरफोर्स चीफ एपी सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ़्रांस दौरे से ठीक पहले उठाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी का फ़्रांस दौरा जून के अंत में प्रस्तावित है, जिसके दौरान राफेल फाइटर जेट सौदे के लिए 'सरकार-से-सरकार' (G-to-G) समझौते की घोषणा किए जाने की संभावना है। इस डील के फाइनल होने के बाद भारत फ्रांस के बाहर पहला ऐसा देश बन जाएगा जो राफेल फाइटर जेट का निर्माण करेगा।

यूपी में आंधी-बारिश से हुई मौतों पर पसीजा पुतिन का दिल, PM मोदी को चिट्ठी लिखकर जताई संवेदना

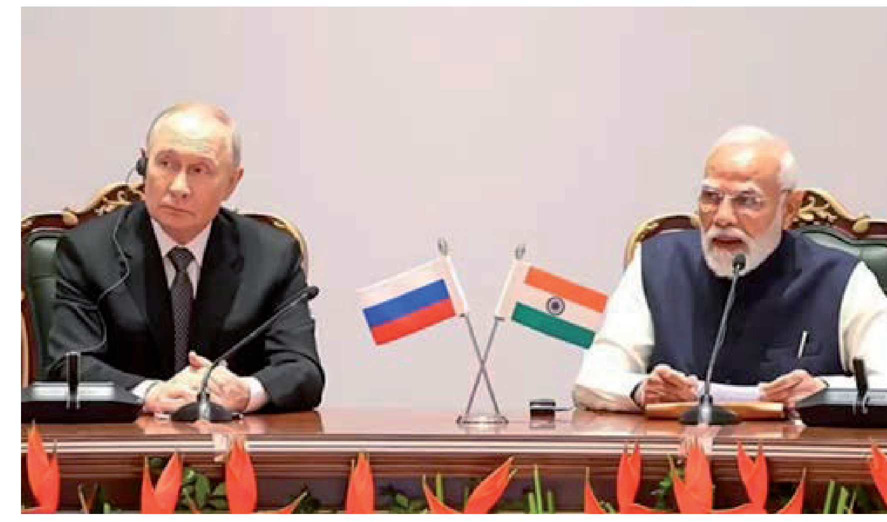

एजेंसी मॉस्को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिख संवेदना जताई है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश में चक्रवात के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर कृपया मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। एक दिन पहले बुधवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आए तूफान और बारिश के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है। तूफान के कारण व्यापक पैमाने पर नुकसान भी पहुंचा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, "उत्तर प्रदेश में चक्रवात के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर कृपया मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। कृपया उन लोगों के परिवारों और प्रियजनों तक मेरी सहानुभूति और समर्थन के शब्द पहुँचाएँ, जिन्होंने इस आपदा में अपनी जान गँवाई है; साथ ही, इस प्राकृतिक आपदा के परिणामस्वरूप घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की मेरी शुभकामनाएं भी उन तक पहुंचाएं।" उत्तर प्रदेश में चक्रवात के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर कृपया मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। व्लादिमीर पुतिन, राष्ट्रपति, रूस यूपी में आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से बीते लगभग 24 घंटे में यूपी के कई जिलों में जनहानि, पशुहानि समेत कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। बुधवार देर शाम आए तेज आंधी-तूफान ने काफी नुकसान किया है। कई जगह बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए जबकि कई जगह कच्चे घर जमींदोज हो गए। घरों की दीवारें गिरने की भी कई घटनाएं हुई है। प्रदेश के कई जिलों में इस आंधी-तूफान के कारण कई लोगों की मौत हो गई। प्रदेश में कई जगह आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं भी हुई हैं। खराब मौसम की वजह से काफी संख्या में मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

तालिबान ने दिया भारत को अफगान-पाक बॉर्डर का ठेका, 46 मिलियन डॉलर की बड़ी डील!

एजेंसी नुक

जब पूरी दुनिया ने अफगानिस्तान को उसके हाल पर छोड़ दिया, जब पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भाई होने का ढोंग छोड़कर अफगानिस्तान की पीठ में छुरा घोंपा तब भारत ने एक ऐसा कदम उठाया जिसने पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को हिलाकर रख दिया। भारत और अफगानिस्तान के बीच 46 मिलियन डॉलर यानी करीब 400 करोड़ की एक ऐसी ऐतिहासिक डील हुई है जो सिर्फ व्यापार नहीं बल्कि पाकिस्तान की दादागिरी का अंत है। आखिर अचानक भारत ने तालिबान शासित अफगानिस्तान के साथ इतनी बड़ी इतनी भयानक डील क्यों की जब पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ बॉर्डर बंद करके बैठा है। झड़पें हो रही हैं और अफगान परिवार भूखे प्यासे परेशान है। तब भारत ने $6 मिलियन लगाकर यह कदम क्यों उठाया? पाकिस्तान ने तोरखम और स्पिन बोल्डक जैसे प्रमुख रास्तों को पूरी तरह से बंद कर रखा है। हजारों ट्रक सड़कों पर सड़ रहे हैं और अफगान किसानों के अंगूर, अनाज और सब्जियां मिट्टी में मिल रही है। पाकिस्तान की वजह से पाकिस्तान की सेना सीमा पर गोलीबारी कर रही है। मासूम अफगान परिवारों को जबरन उनके घरों से निकाल रही है और मासूम बच्चे दाने-दाने को मोहताज हैं। अब पाकिस्तान जो नापाक देश है उसका मकसद साफ है अफगानिस्तान को भूखा मारो उसे इतना कमजोर कर दो कि वो घुटने पर आ जाए। इतना ही नहीं विश्व खाद्य कार्यक्रम यानी डब्ल्यूएफपी चिल्ला चिल्ला कर कह रहा है कि अफगानिस्तान पर भारी दबाव है। लेकिन ऐसे नाजुक मोड़ पर भारत खामोश नहीं बैठा। भारत ने नफरत का जवाब नफरत से नहीं बल्कि विकास और विश्वास से दिया है। अब बात करते हैं उस खबर की जिसने पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी है। भारतीय कंपनी टीसीआरसी ने अफगान नेशनल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी यानी एएनएसए के साथ एक मेगा कॉन्ट्रैक्ट डील साइन की है। अगले 5 सालों तक भारत अफगानिस्तान के काबुल समेत नौ सबसे महत्वपूर्ण बॉर्डर पॉइंट्स पर हाईटेक अत्याधुनिक लेबोरेटरीज़ यानी लैब्स का जाल बिछा देगा। अब तक अफगानिस्तान में जो भी सामान आता था या वहां से बाहर जाता था उसकी क्वालिटी जांचने का कोई पुख्ता सिस्टम था ही नहीं। अब भारत की तकनीक, भारत की टेक्नोलॉजी से वहां भोजन, दवाएं, कंस्ट्रक्शन, मटेरियल, टेक्सटाइल और बिजली के सामानों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच होगी। भारतीय कंपनी सिर्फ मशीनें नहीं लगाएंगी बल्कि पूरे सिस्टम को जो बॉर्डर एरिया के हैं उनको अपग्रेड करेंगी। अफगान स्टाफ को ट्रेनिंग भी देंगी और उन्हें आईसीओ सर्टिफिकेशन तक लेकर जाएंगी। मतलब अब दुनिया का कोई भी देश अफगान माल को लो क्वालिटी कहकर रिजेक्ट नहीं कर पाएगा। भारत ने अफगानिस्तान के हाथों में वो ताकत की चाबी दे दी है जिससे वो दुनिया के बाजारों में अपनी शर्तों पर अब व्यापार करने उतर चुका है। वो खुद को मुस्लिम उमा का रहनुमा बताता है। सच्चाई यह है कि आज अफगानिस्तान के लिए सबसे बड़ा रोड़ा, सबसे बड़ा कांटा वही बना हुआ है। पाकिस्तान चाहता है कि अफगानिस्तान हमेशा उस पर निर्भर रहे, डिपेंडेंट रहे। लेकिन भारत ने चाबहार और अब इन लैब्स के जरिए पाकिस्तान के उस ट्रांजिट फ्रूट के घमंड को मिट्टी में मिला दिया है। एएनएसए के प्रमुख फैजुल्लाह तमीम साहब ने कैमरे पर आकर भारत का शुक्रिया अदा किया।

भारत में ब्रिक्स सम्मेलन में क्यों शामिल नहीं हुए वांग यी, चीनी विदेश मंत्रालय ने तोड़ी चुप्पी, बताई वजह

एजेंसी बीजिंग

भारत में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में चीनी विदेश मंत्री वांग यी शामिल नहीं हुए हैं। उनकी जगह चीन का प्रतिनिधित्व भारत में चीन के राजदूत शू फेईहोंग ने किया है। हालांकि, चीन ने ब्रिक्स की बैठक को महत्वपूर्ण बताया है। चीन ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि चीन, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का पूरा समर्थन करता है और बैठक की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। अब चीनी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया है कि विदेश मंत्री वांग यी भारत में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में क्यों नहीं शामिल हुए। BRICS विदेश मंत्रियों की बैठक के संबंध में पूछे गए सवालों के जवाब में कि चीन ने बैठक में शामिल होने के लिए उच्च-स्तरीय प्रतिनिधि क्यों नहीं भेजा, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को कहा कि समय की कमी (शेड्यूलिंग) के कारणों से, भारत में चीन के राजदूत शू फेईहोंग ने विदेश मंत्री वांग यी की ओर से बैठक में प्रतिनिधित्व किया। गुओ ने कहा कि BRICS उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार "कार्यक्रम संबंधी कारणों" से वह उपलब्ध नहीं हो सके। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 मई को चीन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे हैं। ऐसे में वांग यी उनकी मेजबानी में व्यस्त हैं। ट्रंप बुधवार को व्यापारिक नेताओं के एक समूह के साथ बीजिंग पहुंचे। उनके साथ अमेरिका के कई बड़े कारोबारी नेता भी आए हैं, जिनमें एनवीडिया के जेन्सन हुआंग, एप्पल के टिम कुक, टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क तथा ब्लैक रॉक के लैरी फिंक सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हैं। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची, दक्षिण अफ्रीका के रोनाल्ड लामोला और ब्राजील के माउरो विएरा सहित कई देशों के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। बैठक में हिस्सा ले रहे सभी देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की है। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट (विशेषकर ईरान-इजरायल और मिडिल ईस्ट तनाव), वैश्विक ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, उर्वरक और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर गंभीर मंथन किया जा रहा है।

भारत के पड़ोस में तैनात होंगे अमेरिकी युद्धपोत, बांग्लादेश कर रहा डफिंस डील, शेख हसीना की आशंका सच हुई

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश और अमेरिका रणनीतिक रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। दोनों देशों में इस समझौते को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। इन समझौतों के तहत अमेरिकी सेना को बांग्लादेश के बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंच मिल जाएगी। हालांकि, इससे भारत की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी से चीन के लिए भी उपस्थिति बढ़ाना अनिवार्य हो जाएगा। ऐसे में दशकों से शांत पड़ा यह क्षेत्र वैश्विक महाशक्तियों के बीच जंग का अखाड़ा बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 5-7 मई को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल की ढाका यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने पहले से हस्ताक्षरित 'पारस्परिक व्यापार समझौते' (ART) के कार्यान्वयन की शर्तों पर चर्चा की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान को लिखे एक निजी पत्र में, भविष्य की आर्थिक रियायतों को दो रक्षा समझौतों के पूरा होने से जोड़ा है: 'सैन्य सूचना की सामान्य सुरक्षा समझौता' (GSOMIA) और 'अधिग्रहण और क्रॉस-सर्विसिंग समझौता' (ACSA)। ACSA पर हस्ताक्षर होने से अमेरिकी जंगी जहाज और विमान बांग्लादेश के बंदरगाहों और हवाई अड्डों का उपयोग रखरखाव, ईंधन भरने और री-सप्लाई के लिए कर सकेंगे। इसमें चटगांव और मातारबारी जैसे रणनीतिक बंदरगाह भी शामिल हैं। GSOMIA समझौते के तहत बांग्लादेश और अमेरिका खुफिया जानकारियों का भी आदान प्रदान करेंगे। यह कदम अमेरिका को बंगाल की खाड़ी और चीनी ऊर्जा गलियारों से हिंद महासागर तक जाने वाले मार्गों पर लगातार निगरानी रखने का क्षेत्र प्रदान करेगा। अमेरिका इसके एवज में बांग्लादेश के कपड़ों पर 19% की रियायती टैरिफ दर और शुल्क-मुक्त व्यापार व्यवस्था को मंजूरी देगा। साथ ही, इस कदम से ढाका का भू-राजनीतिक झुकाव भी काफी हद तक बदल जाएगा, क्योंकि वह लंबे समय से बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे के लिए चीनी निवेश पर निर्भर रहा है और अपने लगभग 70% हथियार चीन से ही प्राप्त करता है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आरोप लगाया था कि अमेरिका बंगाल की खाड़ी में सेंट मार्टिन द्वीप पर सैन्य अड्डा बनाने के लिए दबाव डाल रहा था, जिसे न मानने के कारण उनकी सत्ता गई। हालांकि, अमेरिका ने इन दावों को गलत बताया है। हसीना के अनुसार, यह द्वीप उन्हें सत्ता में बने रहने के बदले में मांगा जा रहा था। हसीना का दावा है कि अमेरिका को इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए इस द्वीप की जरूरत है, जो भारत के लिए भी सुरक्षा के लिहाज से एक चिंता का विषय है।

पाकिस्तान ने किया फतह-IV मिसाइल का परीक्षण, जानें भारत के कौन-कौन से शहर खतरे में

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने 14 मई 2026 को फतह-4 (Fatah-IV) गाइडेड मल्टीपल रॉकेट सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह स्वदेशी रूप से विकसित एक लंबी दूरी की सतह-से-सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइल है। फतह-4 की रेंज 750 किलोमीटर है। यह मिसाइल भारत के कई प्रमुख शहरों को निशाना बना सकती है। यह परीक्षण आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड ने किया है। इस परीक्षण को ऑपरेशन तैयारियों को जांचने के लिए किया गया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि यह हथियार प्रणाली उन्नत एवियोनिक्स और अत्याधुनिक नेविगेशनल उपकरणों से लैस है और लंबी दूरी के लक्ष्यों को अत्यधिक सटीकता के साथ भेदने में सक्षम है। बयान में आगे कहा गया, "यह प्रशिक्षण परीक्षण सैनिकों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने और बेहतर सटीकता तथा बढ़ी हुई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शामिल किए गए विभिन्न उप-प्रणालियों के तकनीकी मापदंडों को सत्यापित करने के लिए किया गया था।" बयान के अनुसार, प्रशिक्षण परीक्षण के दौरान पाकिस्तान आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड के वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही मिसाइल विकसित करने वाली एजेंसी के वैज्ञानिक और इंजीनियर भी मौजूद थे। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, रक्षा बलों के प्रमुख और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने फतह-4 के सफल प्रशिक्षण परीक्षण की सराहना की। बाद में, गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि गृह मंत्री मोहसिन नकवी स्वदेशी रूप से विकसित Fatah-IV ज़मीन से लॉन्च होने वाली क्रूज़ मिसाइल के सफल प्रशिक्षण परीक्षण पर राष्ट्र को बधाई देते हैं। बयान में कहा गया, "यह सफल परीक्षण आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की एक सराहनीय उपलब्धि है... यह रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।" बयान में नकवी के हवाले से आगे कहा गया: "मैं वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई देता हूं। मुझे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों पर गर्व है। पाकिस्तान की रक्षा अभेद्य है।"

फतह-4 मिसाइल की रेंज में दर्जनों भारतीय शहर शामिल हैं। इसमें मृतसर, लुधियाना, जालंधर, फिरोजपुर, फाजिल्का, पठानकोट, गुरदासपुर, पटियाला, जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर, फलोदी, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर, भुज, जामनगर, राजकोट, अहमदाबाद, गांधीनगर, कच्छ क्षेत्र, जम्मू, श्रीनगर, कठुआ, सांबा, बारामूला, उधमपुर, कारगिल और लेह शामिल हैं।

फतह-4 गाइडेड मल्टीपल रॉकेट सिस्टम की रेंज 750 किलोमीटर है। इस मिसाइल सिस्टम की स्पीड लगभग 865 किमी/घंटा है। फतह-4 उन्नत एवियोनिक्स, आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और टेरेन-हगिंग फ्लाइट (जमीन के करीब उड़ना) से लैस है, जो इसे रडार से बचने में सक्षम बनाती है। फतह-4 330 किलोग्राम तक का वारहेड ले जाने में सक्षम है। फतह-4 मिसाइल का कुल वजन 1530 किलोग्राम और लंबाई 7.5 मीटर है।

केकेआर उम्मीद जीवंत बनाए रखने उतरेगा, गुजरात टाइटंस की निगाह शीर्ष दो में जगह बनाने पर

कोलकाता, एजेंसी | लगभग एक महीने के बाद अपने घरेलू मैदान पर वापसी करने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शीर्ष दो में जगह बनाने की कवायद में लगी गुजरात टाइटंस का सामना करेगी।

अनुभवी अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने पिछले साल की तरह इस वर्ष भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है जिससे उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए हैं।

केकेआर को मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत के लिए सातवें मैच (आधे चरण) तक इंतजार करना पड़ा था। वह इस दौरान एक संतुलित टीम संयोजन तैयार करने में नाकाम रहा।

केकेआर ने इसके बाद लगातार चार मैच जीते लेकिन पिछले मैच में विराट कोहली के शानदार शतक के कारण उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा था।

केकेआर के अब तीन मैच बचे हैं और अगर वह सभी मैच जीत जाता है तो अधिकतम 15 अंक तक पहुंच पाएगा। इसके बावजूद उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हो पाएगी और इसके लिए उसे अगर मगर के समीकरणों से गुजरना होगा। एक और हार से उसकी आगे बढ़ने की संभावना खत्म हो जाएगी।

केकेआर की लगातार चार मैचों में जीत का श्रेय काफी हद तक सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी को जाता है जबकि उपकप्तान रिंकू सिंह ने भी निरंतर योगदान दिया है।

चक्रवर्ती बाएं पैर में चोट लगने के कारण आरसीबी के खिलाफ नहीं खेल पाए थे जो टीम को महंगा पड़ा। केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने उनकी वापसी के संकेत दिए हैं जो टीम के लिए अच्छी खबर है।

केकेआर की बल्लेबाजी में पूरे सत्र में निरंतरता का अभाव रहा है। उसके बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी रिंकू को निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर सवाल उठाए थे।

युवा खिलाड़ी अंगकृष रघुवंशी 139.44 के स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतकों सहित 340 रन बनाकर केकेआर के कुछ सफल खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, जबकि रिंकू ने दो अर्धशतकों के साथ 148.95 के स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं।

केकेआर के शेष घरेलू मैचों में गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इन दोनों खिलाड़ियों की भूमिका अहम होगी।

इसके विपरीत शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस का इस सत्र में अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा है। उसके शीर्ष पर काबिज आरसीबी के समान 16 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

गुजरात के इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक उसके गेंदबाजों को जाता है। उसकी तरफ से कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और जेसन होल्डर ने तेज गेंदबाजी विभाग अच्छी तरह से संभाला है जबकि स्टार स्पिनर राशिद खान ने मानो अपना पुराना जादू फिर से हासिल कर लिया है।

बल्लेबाजी में उसके शीर्ष क्रम में गिल और साई सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले साल टूर्नामेंट में सर्वाधिक 759 रन बनाने वाले सुदर्शन इस बार भी अभी तक 501 रन बना चुके हैं। वह अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर काबिज हेनरिक क्लासेन से सिर्फ सात रन पीछे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में पांच अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें एक शतक भी शामिल है।

गिल भी बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं, वहीं वाशिंगटन सुंदर ने मध्य क्रम में अच्छी भूमिका निभाई है। गुजरात को अगर शीर्ष दो में जगह बनानी है तो उसके इन प्रमुख खिलाड़ियों को अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना होगा।

टीम इस प्रकार हैंः कोलकाता नाइट राइडर्सः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरन ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती, प्रशांत सोलंकी।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, अरशद खान, अशोक शर्मा, जोस बटलर, कॉनर एस्टरहुइज़न, गुरनूर बरार, जेसन होल्डर, कुलवंत खेजरोलिया, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, राशिद खान, साई किशोर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, इशांत शर्मा, निशांत सिंधु, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, ल्यूक वुड, जयन्त यादव। मैच शुरू होने का समयः भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे।

लखनऊ ने दिया सीएसके को 440 वोल्ट का झटका, मिचेल मार्श शतक से चूके, पूरन भी चमके; एलएसजी की 7 विकेट से जीत

नई दिल्ली, एजेंसी | लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को तगड़ा झटका देकर 7 विकेट से हरा दिया है. CSK द्वारा मिले 188 रनों के लक्ष्य को लखनऊ की टीम ने 20 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया. लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन इस बड़ी जीत के साथ उसने सीएसके का खेल बिगाड़ने का काम किया है.

इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में कार्तिक शर्मा की 71 रनों की अर्धशतकीय पारी और फिर शिवम दुबे के तूफान की बदौलत चेन्नई के बल्लेबाजों ने स्कोरबोर्ड पर 187 रन लगा दिए थे. दुबे ने 16 गेंद में 32 रनों की कैमियो पारी खेली.

लखनऊ की बंपर जीत

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई लखनऊ सुपर जायंट्स को मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस ने शानदार शुरुआत दिलाई. उनके बीच पहले विकेट के लिए 135 रनों की पार्टनरशिप हुई, जिसने लखनऊ को फ्रंट फुट पर लाकर खड़ा कर दिया था. इंग्लिस 36 रन बनयकर आउट हुए. मिडिल ओवरों में चेन्नई सुपर किंग्स ने वापसी भी की, क्योंकि मुकेश चौधरी और स्पेन्सर जॉनसन ने 9 रनों के भीतर लखनऊ के तीन बल्लेबाजों को आउट कर दिए थे.

चेन्नई की टीम की खुशी ज्यादा देर नहीं चली क्योंकि निकोलस पूरन ने एक छोर संभाला हुआ था. तीन झटकों के बाद लखनऊ की टीम धीरे-धीरे लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रही थी. मगर निकोलस पूरन ने अंशुल कंबोज के ओवर में लगातार 4 छक्के लगाते हुए 17वें ओवर में ही लखनऊ की जीत पक्की कर दी. अंशुल ने इस मुकाबले में 2.3 ओवर में ही 63 रन लुटा दिए. इसी के साथ वे आईपीएल के इतिहास में CSK के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बन गए हैं.

CSK को झटका

इस बड़ी हार से चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की उम्मीदों को झटका लगा है. चेन्नई के 12 मैचों में 12 पॉइंट्स हो गए हैं. अब तक चेन्नई टीम के पास गुंजाइश थी कि वह गलती कर सकती है. मगर अब प्लेऑफ का टिकट कटाना है तो उसे अगले दोनों मैच हर हाल में जीतने होंगे.

खेल मंत्री मनसुख मांडविया का एक्शन, ओलंपिक 2036 के लिए ओलंपिक बोली को लेकर बना नया रोडमैप

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत के राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई बैठक के दौरान देश की 2036 ओलंपिक बोली को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा आयोजित समीक्षा सत्र में गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी ऑनलाइन शामिल हुए। यह बैठक बृहस्पतिवार को हुई जिसमें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के शीर्ष अधिकारी व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए। गुजरात के खेल, युवा मामले और सांस्कृतिक गतिविधियों के मंत्री संघवी भी चर्चा के दौरान राज्य सरकार के कुछ प्रतिनिधियों के साथ मौजूद थे। आईओए के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''वे मुख्य रूप से 2026 राष्ट्रमंडल खेल के समापन समारोह पर चर्चा करने के लिए मौजूद थे जिसके दौरान 2030 चरण के मेजबान के तौर पर अहमदाबाद को 'बैटन' (मशाल) सौंपी जाएगी। लेकिन चर्चा के दौरान ओलंपिक बोली का मुद्दा भी उठा और इस बात पर चर्चा हुई कि प्रक्रिया फिर से शुरू होने पर बोली को आगे कैसे बढ़ाया जाए। ''

सूत्र ने कहा, ''कोई बड़ा फैसला नहीं लिया गया, बस इस बात पर बातचीत हुई कि प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ेगी। '' अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने पिछले साल मेजबान चयन प्रक्रिया को रोक दिया था ताकि वह अपने मानदंडों पर फिर से विचार कर सके, लेकिन उम्मीद है कि इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में इसमें तेजी आएगी। अक्टूबर 2024 में अहमदाबाद में खेलों की मेजबानी के लिए 'रूचि पत्र' जमा करने के बाद भारत रुकी हुई बोली प्रक्रिया के 'लगातार संवाद' चरण में था।

इसके अलावा मांडविया ने जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों की समीक्षा की। खेल मंत्रालय के एक मीडिया बयान में कहा गया, ''बैठक का मुख्य उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करना और राष्ट्रमंडल खेल 2026 की तैयारी कर रहे भारतीय एथलीटों के लिए सहायता प्रणाली को मजबूत करना था।''

व्यापार

भारत में सोने का आयात 82 फीसदी बढ़ा, चांदी भी 157 फीसदी उछली

अप्रैल में भारत का सोने का आयात 82 फीसदी बढ़कर 5.62 अरब डॉलर और चांदी का आयात 157 फीसदी बढ़कर 411 करोड़ डॉलर हो गया। सरकार ने कीमती धातुओं पर सीमा शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी किया है, जिसका उद्देश्य आयात को कम करना और व्यापार घाटे को नियंत्रित करना है।

नई दिल्ली, एजेंसी | अप्रैल में भारत का सोने का आयात 81.69 फीसदी बढ़कर 5.62 अरब डॉलर हो गया। चांदी का आयात भी 157.16 फीसदी बढ़कर 411 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। कीमती धातुओं की ऊंची कीमतों के कारण यह वृद्धि हुई है। सरकार ने 13 मई से सोने और चांदी पर सीमा शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 वित्तीय वर्ष में सोने का आयात 24 फीसदी बढ़कर 71.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, मात्रा के हिसाब से यह 4.76 फीसदी घटकर 721.03 टन रहा। इसी अवधि में चांदी का आयात भी करीब 150 फीसदी बढ़कर 12 अरब डॉलर हो गया। मात्रा की बात करें तो चांदी का आयात 42 फीसदी बढ़कर 7,334.96 टन दर्ज किया गया।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि बढ़े हुए आयात शुल्क से इस वर्ष आयात में कमी आने की संभावना है। चांदी के मामले में औद्योगिक उपयोग के कारण शुल्क वृद्धि का प्रभाव अपेक्षाकृत कम हो सकता है। उनका मानना है कि खपत आधारित मांग में निश्चित रूप से कमी आएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यूएई के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत टैरिफ दर कोटा (टीआरक्यू) का सोने के आयात पर खास असर नहीं पड़ा है।

आयात में वृद्धि और कारण

अप्रैल में कीमती धातुओं के आयात में भारी उछाल दर्ज किया गया। सोने की ऊंची कीमतें इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण रहीं। राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव करीब 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम है। चांदी का भाव करीब 2.53 लाख रुपये प्रति किलोग्राम है। स्विट्जरलैंड सोने का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, जिसका हिस्सा करीब 40 फीसदी है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और दक्षिण अफ्रीका भी प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। कीमती धातुएं देश के कुल आयात का 5 फीसदी से अधिक हिस्सा हैं।

सरकार का कदम और प्रभाव

सरकार ने कीमती धातुओं के आयात को हतोत्साहित करने के लिए सीमा शुल्क बढ़ाया है। यह कदम देश के व्यापार घाटे और चालू खाता घाटे को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। राजेश अग्रवाल ने बताया कि यूएई से सोने का आयात मूल्य और मात्रा दोनों में कम हुआ है। भारत में शोधन के लिए सोने के डोरे का आयात सकारात्मक रहा है। यह अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे कई स्रोतों से आता है।

व्यापार और चालू खाता घाटा

अप्रैल में कीमती धातुओं के आयात में वृद्धि से देश का व्यापार घाटा तीन महीने के उच्चतम स्तर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारत का चालू खाता घाटा दिसंबर तिमाही में 13.2 अरब डॉलर रहा, जो सकल घरेलू उत्पाद का 1.3 फीसदी था। यह मुख्य रूप से निर्यात में कमी के कारण बढ़े व्यापार अंतर के कारण हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक के दो मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2025 में चालू खाता घाटा कम होकर 30.1 अरब डॉलर हो गया था।

दिनभर की हरियाली के बाद आखिरी सत्र में बिकवाली का दबाव, सेंसेक्स-निफ्टी फिसले

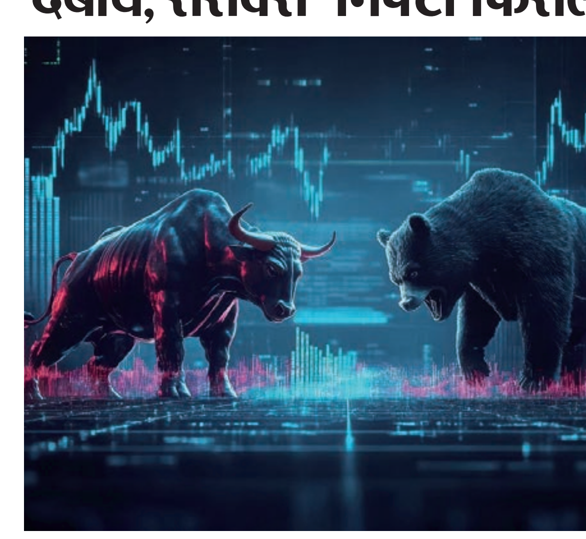

नई दिल्ली , एजेंसी | घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आखिरी सत्र में बिकवाली दिखी। सुबह से हरे निशान पर कारोबार कर रहे बेंचमार्क सूचकांक शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 160.73 (0.21%) फिसलकर 75,237.99 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी 46.10 (0.19%) अंकों की गिरावट के साथ 23,643.50 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद हिंडाल्को के शेयरों में 3 प्रतिशत जबकि रिलायंस के शेयरों में दो फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

शुक्रवार को इंट्राडे कारोबार में रुपया 96 के स्तर से नीचे फिसल गया। रुपये पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और अमेरिकी नीति निर्माताओं की आक्रामक टिप्पणियों का दबाव दिखा। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के अनुसार विदेशी पूंजी के लगातार बहिर्वाह और कमजोर शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के बीच अमेरिकी डॉलर/भारत रुपये की जोड़ी भारी दबाव में है, जिससे भुगतान संतुलन पर दबाव पड़ रहा है।

वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताएं, अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन और एआई-आधारित निवेश के अवसरों की कमी ने पंजी प्रवाह पर दबाव डाला है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.86 पर खुला, फिर कमजोर हुआ और दिन के कारोबार में रिकॉर्ड निचले स्तर 96.14 पर आ गया। रुपये में पिछले दिन की क्लोजिंग के मुकाबले 50 पैसे की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार के किन शेयरों में दिखी चाल

सेंसेक्स शेयरों में टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयर रहे।

दूसरी ओर, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मास्यूटिकल्स प्रमुख विजेता रहे।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'हालिया राहत रैली के बाद निवेशक सतर्क हो गए हैं, क्योंकि बॉन्ड यील्ड में वृद्धि, कमजोर रुपया और ईंधन की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी ने मुद्रास्फीति की चिंताओं को फिर से जीवित कर दिया है।'

चीनी निर्यात पर रोक से उड़ी उद्योग की नींदः कीमतों में भारी गिरावट का डर, 12000 रुपये करोड़ के बकाए पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी | देश में बढ़ती महंगाई और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण जारी अनिश्चितता के बीच केंद्र सरकार ने 30 सितंबर तक चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का यह कदम घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, लेकिन चीनी उद्योग के विशेषज्ञों ने इस अचानक लिए गए फैसले की कड़ी आलोचना की है। विशेषज्ञों के अनुसार इस कदम से घरेलू बाजार में चीनी के दाम बुरी तरह गिरेंगे, मिलों पर कर्ज का भारी बोझ बढ़ेगा और इसका सीधा नुकसान गन्ना किसानों को उठाना पड़ेगा।

वैश्विक सौदों और छवि पर पड़ेगा नकारात्मक असर

वेस्ट इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भैरवनाथ ठोंबरे के अनुसार, घरेल बाजार में चीनी की कीमतें पहले ही गिरना शुरू हो गई हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 30 सितंबर तक निर्यात पर अचानक लगी इस रोक से वैश्विक बाजार में भारतीय चीनी मिलों की छवि धूमिल होगी। भारत मुख्य रूप से श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल और अरब देशों को चीनी का निर्यात करता है और इस प्रतिबंध से उन कारोबारियों के व्यवसाय खतरे में पड़ गए हैं जिन्होंने इन देशों के साथ पहले ही सौदे तय कर लिए थे।

किसानों का एफआरपी बकाया चुकाना होगा मुश्किल

निर्यात रुकने से मिलों के नकदी प्रवाह पर असर पड़ने की आशंका है, जिससे किसानों के भुगतान (Fair and Remunerative Price या FRP) में बड़ी रुकावट आ सकती है। ठोंबरे ने बताया कि अकेले महाराष्ट्र में चीनी मिलों पर FRP का करीब 1,550 करोड़ रुपये बकाया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह कर्ज लगभग 12,000 करोड़ रुपये का है। ऐसे में मिलों के लिए किसानों का बकाया चुकाना बेहद कठिन हो जाएगा। हालांकि गन्ने की खेती का रकबा कम नहीं होगा, लेकिन किसानों को अपनी उपज से पर्याप्त मुनाफा नहीं मिल सकेगा।

अस्थिर नीतियां और एथेनॉल ब्लेंडिंग की मांग

उद्योग जगत का आरोप है कि सरकार के पास चीनी क्षेत्र के लिए कोई स्पष्ट और निश्चित नीति नहीं है। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनसीएफसीएसएफ) के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश दादेगांवकर ने बताया कि चीनी से जुड़े संगठन पिछले चार वर्षों से चीनी के ऊंचे दाम तय करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने इसके उलट चार बार एफआरपी बढ़ा दिया। दादेगांवकर का कहना है कि इस वजह से चीनी उद्योग पर पहले से ही काफी असर पड़ा है और मौजूदा प्रतिबंध मिलों की वित्तीय स्थिति को और कमजोर कर देगा।

मौजूदा संकट के समाधान के रूप में ठोंबरे ने सुझाव दिया है कि निर्यात प्रतिबंध की भरपाई के लिए सरकार को चीनी-आधारित एथेनॉल की खरीद बढ़ानी चाहिए। पेट्रोल में एथेनॉल के इस्तेमाल को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर देना चाहिए, जिससे चीनी मिलों को आर्थिक सहारा मिल सके।

शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर रकुल प्रीत सिंह का बयान

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने आईएएनएस संग बातचीत में अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। आईएएनएस से बात करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए। रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।

उन्होंने आगे कहा, कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा, मानसिक रूप से मजबूत रहना आज के समय में कलाकारों के लिए बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि हर अभिनेता को अपने चारों ओर एक दीवार बनानी चाहिए, ताकि बाहरी नकारात्मकता सीधे उनके काम पर असर न डाल सके। कभी-कभी सोशल मीडिया से दूरी बनाना और ब्लाइंडर्स लगाकर सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना ही सही तरीका होता है।

हेली शाह की लंदन डायरीज़ हैं परफेक्ट ट्रैवल गोल्स; एक्ट्रेस ने दिखाए कोज़ी-चिक फैशन मोमेंट्स

हाल ही में हेली ने अपने फैंस के साथ अपने सोशल मीडिया पर अपनी लंदन डायरीज़ की कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिनका हर फ्रेम किसी पोस्टकार्ड से कम नहीं लग रहा। कभी वह आइकॉनिक हेरिटेज बिल्डिंग्स के पास पोज देती नज़र आ रही हैं, तो कभी शहर की शांत जलधाराओं में सुकूनभरी बोट राइड का आनंद लेती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद रिलैक्स, खुश और पूरी तरह हॉलीडे मूड में दिखाई दे रही हैं।

बॉलीवुड डेस्क। मुंबई टेलीविज़न अभिनेत्री हेली शाह इन दिनों लंदन की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं, और उनकी लेटेस्ट ट्रैवल तस्वीरें फैंस को मेजर वेकेशन इंस्पिरेशन दे रही हैं। खूबसूरत बोट राइड्स से लेकर ऐतिहासिक वास्तुकला से सजी सपनों जैसी गलियों तक, एक्ट्रेस अपने इस शानदार ट्रिप को पूरी तरह एंजॉय करती नजर आ रही हैं। हाल ही में हेली ने अपने फैंस के साथ अपने सोशल मीडिया पर अपनी लंदन डायरीज़ की कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिनका हर फ्रेम किसी पोस्टकार्ड से कम नहीं लग रहा। कभी वह आइकॉनिक हेरिटेज बिल्डिंग्स के पास पोज देती नज़र आ रही हैं, तो कभी शहर की शांत जलधाराओं में सुकूनभरी बोट राइड का आनंद लेती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद रिलैक्स, खुश और पूरी तरह हॉलीडे मूड में दिखाई दे रही हैं। फिलहाल इन तस्वीरों के साथ हेली का स्टाइलिश ट्रैवल वॉर्डरोब भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। कोज़ी और फैशनेबल लुक को अपनाते हुए उन्होंने ब्लैक फज़ी ओवरसाइज़्ड जैकेट को डेनिम मिनी आउटफिट के साथ पेयर किया है, जिसे उन्होंने ब्लैक टाइट्स और चंकी कॉम्बैट बूट्स के साथ स्टाइल किया है। इसी के साथ उन्होंने स्लिक सनग्लासेस, वायरलेस ईयरबड्स और क्लासिक ब्लैक स्लिंग बैग ने उनके ट्रैवल लुक को और भी स्टाइलिश बना दिया है। इसके अलावा कुछ तस्वीरों में हेली कैजुअल डेनिम शर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं, जो लंदन के मूडी मौसम के साथ पूरी तरह मैच कर रही है। ब्लैक स्टॉकिंग्स और लेस-अप बूट्स के साथ उनका ऑल-डेनिम लुक बेहद कूल और रिलैक्स्ड वाइब दे रहा है। मिनिमल मेकअप और बंधे हुए बालों ने उनके इस सहज और आकर्षक लुक को और खूबसूरत बना दिया है। शानदार ब्रिज, नदी किनारे के नज़ारे और सदियों पुरानी इमारतों का बैकड्रॉप हेली की ट्रैवल तस्वीरों में एक जादुई एहसास जोड़ रही हैं, जिसे देखकर उनके फैंस भी गर्मी की छुट्टियों में लंदन घूमने का प्लान बनाने लगे। दिलचस्प बात यह है कि इस कोज़ी फैशन मोमेंट्स से लेकर पोस्टकार्ड जैसे लोकेशन्स तक, एक्ट्रेस की यह वेकेशन डायरी साबित करती है कि वह स्टाइल और ट्रैवल को बखूबी बैलेंस करना जानती हैं। तो खूबसूरत नज़ारों, कोज़ी फैशन और यादगार पलों से भरपूर हेली शाह के इस तरह के लंदन वेकेशन के लिए आप कब जा रहे हैं?

सोनाली कुलकर्णी ने लॉन्च किया हाफ टिकट फुल नागरिक पॉडकास्ट

बच्चों की सोच और आवाज को मिलेगा नया मंच

मराठी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने एक नया पॉडकास्ट शो शुरू किया है, जिसका नाम हाफ टिकट फुल नागरिक रखा गया है। इस शो का मकसद बच्चों और युवाओं की आवाज को एक मंच देना और उनकी सोच को समाज के सामने लाना है। सोनाली कुलकर्णी ने इस पॉडकास्ट को लॉन्च करते हुए कहा, मुझे हमेशा से ही युवा पीढ़ी और बच्चों के विचार बहुत आकर्षित करते रहे हैं। बच्चे बेहद रचनात्मक होते हैं और उनके पास दुनिया को देखने का एक अलग नजरिया होता है। वे बिना किसी डर के अपनी बात रखते हैं और उनकी सोच में एक मासूमियत और ईमानदारी होती है, जो अक्सर बड़ों में कम देखने को मिलती है। यही कारण है कि उनकी सोच को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, समाज में अक्सर एक आदत बन गई है कि जब भी कोई फैसला लेना होता है, चाहे वह परिवार से जुड़ा हो, सफर की योजना हो या फिर पैसों से जुड़ी बात हो, बच्चों की राय को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार उन्हें केवल इसलिए शामिल नहीं किया जाता, क्योंकि वे छोटे हैं। यही रवैया धीरे-धीरे बच्चों पर मानसिक दबाव और भावनात्मक अनदेखी का कारण बन सकता है, जिसे बदलने की जरूरत है।

सोनाली कुलकर्णी ने कहा, बच्चे सिर्फ भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान का भी अहम हिस्सा हैं। वे समाज में खुशी, संतुलन और नई ऊर्जा लेकर आते हैं। इसलिए जरूरी है कि उनकी मासूमियत को सुरक्षित रखा जाए, लेकिन साथ ही उन्हें फैसले लेने और अपनी बात रखने का अधिकार भी दिया जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए मैंने इस पॉडकास्ट को एक अलग बातचीत के रूप में डिजाइन किया है।

उन्होंने कहा, इस शो के हर एपिसोड की शुरुआत किसी बड़े व्यक्ति जैसे माता-पिता, शिक्षक या मनोवैज्ञानिक से बातचीत के साथ होगी, ताकि विषय को एक संतुलित दृष्टिकोण मिल सके। इसके बाद मुख्य बातचीत बच्चों के साथ होगी, जिन्हें शो में हाफ टिकट कहा जाएगा। ये बच्चे धीरे-धीरे पूर्ण नागरिक बनने की यात्रा में होंगे और अपने विचार खुलकर साझा करेंगे।

शबाना आजमी ने शेयर की 'दूसरी दुल्हन' की यादें, लिखा- अपने समय से आगे थी फिल्म

अभिनेत्री शबाना आजमी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फिल्मों से जुड़ी यादों को शेयर करती रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने 1983 की चर्चित फिल्म दूसरी दुल्हन को याद करते हुए एक पोस्ट शेयर की। शबाना ने फिल्म में निभाए गए अपने किरदार का छोटा-सा वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। पोस्ट के जरिए उन्होंने फिल्म की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि यह फिल्म अपने दौर के हिसाब से काफी आधुनिक और प्रगतिशील थी। उन्होंने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक लेख टंडन का भी आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने लिखा, ÷लेख टंडन की फिल्म दूसरी दुल्हन अपने समय से काफी आगे की सोच वाली फिल्म थी और इसमें निभाया गया मेरा किरदार मुझे बहुत पसंद था।÷ 1983 में रिलीज हुई हिंदी ड्रामा फिल्म दूसरी दुल्हन का निर्देशन लेख टंडन ने किया था। फिल्म में शबाना आजमी, शर्मिला टैगोर, विक्टर बनर्जी और रणधीर कपूर प्रमुख भूमिकाओं में थे।

शबाना आजमी ने एक वेश्या चंदा की मुख्य भूमिका निभाई थी। सरोगेसी जैसे अनूठे विषय पर बनी इस फिल्म में एक निस्संतान दंपत्ति (शर्मिला टैगोर और विक्टर बनर्जी) संतान प्राप्ति के लिए शबाना आजमी को सरोगेट मदर के रूप में चुनते हैं, जिसके बाद कहानी में कई भावनात्मक मोड़ आते हैं।

फिल्म की कहानी में एक दंपत्ति रेनू (शर्मिला टैगोर) और अनिल (विक्टर बनर्जी) मिसकैरेज के बाद बच्चा पैदा करने में असमर्थ होते हैं। वे चंदा (शबाना आजमी) को अपने बच्चे की सरोगेट मां बनने के लिए मनाते हैं, जो घर में दूसरी दुल्हन की तरह आती है।

इस फिल्म की शूटिंग मुख्य रूप से मसूरी में की गई थी और इसका संगीत बप्पी लाहिड़ी ने तैयार किया था। यह फिल्म 1980 के दशक की उन फिल्मों में से है, जिसने सरोगेसी और वेश्यावृत्ति के मुद्दे को सामाजिक दृष्टिकोण से पेश किया था। हालांकि, बाद में फिल्म की तुलना 2001 में आई सलमान खान, रानी मुखर्जी और प्रीति जिंटा की फिल्म चोरी चोरी चुपके चुपके से की जाती है क्योंकि दोनों का मूल विषय एक ही था।

सूरज नांबियार संग अनबन की खबरों से परेशान हुईं मौनी रॉय

सोशल मीडिया पर बयां किया अपना दर्द

अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके और पति सूरज नांबियार के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। बुधवार को अभिनेत्री ने अफवाहों के बीच पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने बुधवार को गंभीर रुख अपनाते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स से आग्रह किया कि वे उनकी निजी जिंदगी के बारे में गलत खबरें न फैलाएं। अभिनेत्री ने लिखा, ÷सभी मीडिया हाउस से विनम्र निवेदन है कि कृपया गलत खबरें और अफवाहें फैलाने से बचें। हमें थोड़ा समय और प्राइवेसी दें। हर कहानी के पीछे असली भावनाएं और लोग होते हैं। कृपया संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ पेश आएं।÷ बता दें कि मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार के बीच अनबन की खबरें तब तेज हुईं, जब अभिनेत्री ने पति को इंस्टाग्राम से अनफॉलो करने के साथ-साथ उनके साथ पोस्ट की गई तस्वीरें डिलीट कर दी थीं, जब सोशल मीडिया पर दोनों के अलग होने की खबरें तेज हुईं, तो सूरज ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया था। वहीं, मौनी की सबसे करीबी दोस्त दिशा पाटनी ने भी सूरज के सोशल मीडिया अकाउंट डिएक्टिवेट होने से पहले ही उसे अनफॉलो कर दिया था। दिशा, सूरज और मौनी कई जगहों पर साथ में घूमने, पार्टियों और सोशल प्रोग्राम में साथ जाया करते थे और कृति की बहन नूपुर सेनन की शादी में तीनों को साथ में देखा गया था। मौनी रॉय ने तीन साल तक डेट करने के बाद 22 जनवरी 2022 को बिजनेसमैन सूरज नांबियार से गोवा में शादी की थी। इस जोड़े ने मलयाली और बंगाली दोनों रीति-रिवाजों का पालन करते हुए शादी की, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। यह शादी गोवा के हिल्टन गोवा रिसॉर्ट में हुई थी। सुबह मलयाली रीति-रिवाजों से और शाम को बंगाली रीति-रिवाजों से शादी संपन्न हुई थी।

"चलो दिल्ली" का शंखनाद : भोपाल में जुटे जनजाति सुरक्षा मंच के कार्यकर्ता, महासम्मेलन की तैयारियां तेज

साधना एक्सप्रेस भोपाल*।

"चलो दिल्ली" जनजाति सांस्कृतिक समागम महासम्मेलन को लेकर जनजाति सुरक्षा मंच भोपाल महानगर की महत्वपूर्ण बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में वनवासी कल्याण परिषद से जुड़े सभी आयाम प्रमुख, जिला समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

बैठक प्रांत संगठन मंत्री तिलकराज दांगी के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। इस दौरान महामंत्री योगीराज परते एवं प्रांत संपर्क प्रमुख रविन्द्र उईके विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक में "चलो दिल्ली" महासम्मेलन की रणनीति, संगठन विस्तार, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण एवं अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक अस्मिता को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और महासम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया गया।

निशुल्क पांच दिवसीय महिला योग शिविर संपन्न

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. पांच दिवसीय निःशुल्क महिला योग शिविर का आयोजन विप्र नारी सेवा संस्थान की अध्यक्ष एवं समाजसेवी श्रीमती बसंती पालीवाल जी के द्वारा श्री देवेंद्र पालीवाल जी के पुरानी गल्ला मंडी स्थित कैंपस में किया गया। इस शिविर में महिला पतंजलि योग समिति की तहसील प्रभारी श्रीमती संजू शर्मा द्वारा सभी बहनों को योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया साथ ही नाड़ी विज्ञान एवं घरेलू उपचार के द्वारा स्वास्थ्य लाभ के विषय में भी बताया गया । योग शिविर संचालन में सुश्री रानी हरदेनिया जो कि स्वयं आयुर्वेदाचार्य एवं योग शिक्षक हैं उनका विशेष सहयोग रहा । अंतिम दिन सभी योग साधक बहनों द्वारा योग प्राणायाम करने से होने वाले लाभ का अपना अनुभव सांझा किया गया । शिविर के समापन में विप्र नारी सेवा संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती बसंती पालीवाल जी द्वारा सभी योग साधकों एवं योग गुरुओं का आभार प्रदर्शन किया गया एवं भविष्य में इसी प्रकार के निशुल्क योग शिविर में अपना अमूल्य समय और ज्ञान प्रदान करने का निवेदन योग गुरु से किया गया।

अवैध शराब के विरुद्ध नरसिंहपुर पुलिस की बड़ी एवं प्रभावी कार्यवाही

- अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध शराब सप्लाई करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।
- थाना गाडरवारा क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया।
- आरोपियों के कब्जे से 50 पेटी देशी शराब एवं तस्करी में प्रयुक्त एक जायलो वाहन जप्त किया गया।
- जप्त मशरूका की कुल कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई।

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा*।

राजेश नीरस. नरसिंहपुर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध 'OPERATION EAGLE CLAW' जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध शराब की सप्लाई में संलिप्त व्यक्तियों को गिरफ्तार कर, बड़ी मात्रा में अवैध शराब जप्त की जा रही है।

इसी क्रम में गाडरवारा पुलिस द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया के मार्गदर्शन में एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गाडरवारा श्री ललित सिंह डागुर के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए 14 मई की दोपहर अमर शांति कॉलोनी, जमाड़ा रोड, गाडरवारा में व्यक्तियों को अवैध शराब की तस्करी करते हुए गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है।

आरोपी 1ः हीरालाल पिता डब्बू लाल बाथरे, निवासी खमतरा, जिला नरसिंहपुर।

आरोपी 2ः मुकेश पिता उमाशंकर कुर्मी, निवासी शास्त्री वार्ड गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर।

आरोपी 3ः आयुष पिता संतोष मिश्रा निवासी शंकरगढ़, प्रयागराज, (उत्तरप्रदेश)

जप्ती : आरोपियों के कब्जे से 30 पेटी देशी मसाला शराब, 20 पेटी देशी प्लेन शराब, कुल 50 पेटी देशी शराब कीमती करीबन 2 लाख 30 हजार एवं तस्करी में प्रयुक्त जायलो कार कीमती करीबन 12.5 लाख रूपये जप्त की गई हैं।

वैधानिक कार्यवाही : धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

सराहनीय भूमिका : उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी, गाडरवारा, निरीक्षक अशोक सिंह चैहान, उप निरीक्षक अंकित रावत, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, परमानंद, आरक्षक रूपेन्द्र चैबे, सुजीत बागरी, शिवम पटेल, दीपक राजपूत, बालकिशन रघुवंशी, यश मेहरा, अक्षय श्रीवास्तव, ऐश्वर्य वेंकट, सृजल भार्गव, शुभम चैधरी, महेन्द्र बावरिया की सराहनीय भूमिका रही है।

धरने का 23वा दिन होगा उग्र आंदोलन, किसान सभा कमेटी का हुआ गठन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा ।

राजेश नीरस. विगत दिवस 13मई को मध्य प्रदेश किसान सभा बारहा बडा इकाई द्वारा सड़क निर्माण सहित अन्य मांगो को लेकर चल रहे अनिश्चित कालीन धरने के 23वे दिन प्रदेश एवं जिला स्तर के नेताओं सहित ग्राम के सैकड़ों महिला पुरुष छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

धरने के 23दिन गुजर जाने के बावजूद जनपद सीईओ, एस डी ओ, इंजीनियर के दौरा और स्टीमेट बनाकर जिले को भेज देने का आश्वासन भर मिला है, धरना स्थल पर मौजूद सभी स्थानीय बच्चों,महिलाओं ,नागरिकों ने एक स्वर में रोड नहीं बनने तक आंदोलन को जारी रखते हुए, पुतला दहन, क्रमिक अनशन, आमरण अनशन,चक्काजाम जैसे उग्र आंदोलन किया जाने का संकल्प लिया।

दिनेश अध्यक्ष अरविंद सचिव चुने गए

धरना स्थल पर प्रदेश सहायक महासचिव जगदीश पटेल, जिला सह सचिव नरेंद्र वर्मा, यदुराज वर्मा के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से इकाई का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा, सचिव अरविंद कुशवाहा,उपाध्यक्ष,उपाध्यक्ष प्यारेलाल। कुशवाहा एवं रामाधार कुशवाहा,सहसचिव रामसेवक कुशवाहा चुने गए, इसके अलावा कार्यकारिणी में कनछेदी कुशवाहा, कपिल कुशवाहा, केशव कुशवाहा कैलाश कुशवाहा, हेमंत कुशवाहा, मोहन कुशवाहा,सत्यम कुशवाहा शिवम कुशवाहा, शांतिबाई कुशवाहा, सुशीलाबाई कुशवाहा जमनाबाई कुशवाहा,गीता बाई कुशवाहा,मुन्नीबाई , जानकी बाई कुशवाहा,रघुवर कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, हेमराज कुशवाहा,अखलेश कुशवाहा , राजेश कुशवाहा जगदीश कुशवाहा को सर्व सम्मति से चुना गया। सभी ने आंदोलन को तेज करने का संकल्प लिया

बालभारती पब्लिक स्कूल, गाडरवारा में समर कैंप 2026 का उत्साहपूर्ण समापन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा | राजेश नीरस.

बालभारती पब्लिक स्कूल, गाडरवारा में 4 मई से 15 मई 2026 तक ग्रीष्मकालीन समर कैंप का आयोजन बड़े उत्साह एवं रचनात्मक वातावरण में किया गया। कैंप का शुभारंभ 4 मई को विशेष उद्घाटन कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों एवं क्लबों की जानकारी दी गई।इस वर्ष विभिन्न क्लबों के साथ रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मल्टीमीडिया, छायांकन (फोटोग्राफी) तथा तैराकी (स्विमिंग) क्लब का शुभारंभ किया गया।समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए रोबोटिक्स, एआई/मल्टीमीडिया, फोटोग्राफी, , स्विमिंग पब्लिक स्पीकिंग, ओलंपियाड क्लासेस, पर्सनैलिटी ग्रूमिंग,डांस, आर्ट एवं हैंडराइटिंग, जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया तथा नई-नई कौशलों को सीखने का अवसर प्राप्त किया।15 मई को समर कैंप का समापन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न क्लबों में सीखी गई गतिविधियों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। डांस क्लब के विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं पब्लिक स्पीकिंग एवं पर्सनैलिटी ग्रूमिंग क्लब के विद्यार्थियों ने आत्मविश्वासपूर्ण वक्तव्य देकर सभी को प्रभावित किया। आर्ट एवं फोटोग्राफी क्लब की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। रोबोटिक्स एवं एआई/मल्टीमीडिया क्लब के विद्यार्थियों ने अपने नवाचार एवं तकनीकी कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।प्राचार्य डॉ. अनुराग पांडेय ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास की सराहना करते हुए इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। समर कैंप ने विद्यार्थियों को सीखने, नई प्रतिभाओं को निखारने एवं आत्मविश्वास बढ़ाने का उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

निशुल्क पांच दिवसीय महिला योग शिविर संपन्न

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

राजेश नीरस. पांच दिवसीय निःशुल्क महिला योग शिविर का आयोजन विप्र नारी सेवा संस्थान की अध्यक्ष एवं समाजसेवी श्रीमती बसंती पालीवाल जी के द्वारा श्री देवेंद्र पालीवाल जी के पुरानी गल्ला मंडी स्थित कैंपस में किया गया। इस शिविर में महिला पतंजलि योग समिति की तहसील प्रभारी श्रीमती संजू शर्मा द्वारा सभी बहनों को योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया साथ ही नाड़ी विज्ञान एवं घरेलू उपचार के द्वारा स्वास्थ्य लाभ के विषय में भी बताया गया । योग शिविर संचालन में सुश्री रानी हरदेनिया जो कि स्वयं आयुर्वेदाचार्य एवं योग शिक्षक हैं उनका विशेष सहयोग रहा । अंतिम दिन सभी योग साधक बहनों द्वारा योग प्राणायाम करने से होने वाले लाभ का अपना अनुभव सांझा किया गया । शिविर के समापन में विप्र नारी सेवा संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती बसंती पा ली वा ल जी द्वारा सभी योग साधकों एवं योग गुरुओं का आभार प्रदर्शन किया गया एवं भविष्य में इसी प्रकार के निशुल्क योग शिविर में अपना अमूल्य समय और ज्ञान प्रदान करने का निवेदन योग गुरु से किया गया।

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र पर माँ सुखी परिवार की आधारशिला एवं समर कैंप का गणमान्य जनों की उपस्थिति में समापन किया गया । माँ सुखी परिवार की आधारशिला होती है इस सुंदर भावना को केंद्र में रखते हुए समर कैंप का भव्य समापन बड़े ही उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण में उर्मिला दीदी के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें बच्चों, अभिभावकों और गणमान्य अतिथियों ने समर केम्प में भाग लेने वाले बच्चों की सराहना की । कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और अतिथियों की स्वागत से किया प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गाडरवारा सेवा केंद्र पर माँ सुखी परिवार की आधारशिला एवं समर कैंप समापन समारोह कार्यक्रम

माँ सुखी परिवार की आधारशिला होती है इस सुंदर भावना को केंद्र में रखते हुए समर कैंप का भव्य समापन समारोह बड़े ही उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उर्मिला दीदी के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें बच्चों, अभिभावकों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत से हुई। इसके बाद बच्चों ने समर कैंप के दौरान सीखी गई नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षाओं पर आधारित सुंदर प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नृत्य, गीत कविता और प्रेरणादायक भाषण शामिल रहे। माँ विषय पर बच्चों द्वारा प्रस्तुत भावनात्मक नृत्य ने सभी का मनमोह लिया और यह संदेश दिया कि माँ ही परिवार की सच्ची शक्ति और आधार होती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ प्रियंका राजपूत फिजियो थैरेपिस्ट, वंदना राठी (इनर व्हील क्लब की पास्ट प्रेसिडेंट) अलका जैन एवं नम्रता जैन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने मां की ममता को अपने भाव में प्रकट किया साथ ही बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनमें अच्छे संस्कारों का निर्माण करते हैं। उर्मिला दीदी ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही नैतिकता आध्यात्मिकता और संस्कारों की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे एक अच्छे नागरिक और सुखी परिवार के निर्माता बन सकें। और बच्चों द्वारा माता-पिता के सम्मान की प्रतिज्ञा भी कराई गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरुस्कार वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समापन के साथ ही सभी ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों की तारीफ करते हुए कहा ऐसे आयोजन प्रेरणादायक होते हैं ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698